



Spark The Change....

MAHARAJA AGRASEN UNIVERSITY

UGC Approved

Atal Shiksha Kunj, Kalujhanda, Baddi, Distt. Solan, Himachal Pradesh -174 103

Inaugurated on 25th May 2013 by

Shri Pranab Mukherjee

President of India



INTERNATIONAL COLLABORATIONS

- Auburn University, Alabama, USA,
- University of Leicester, United Kingdom
- University of Colombo, Sri Lanka
- Ghana Technical University College, Ghana
- Lyceum of the Phillipines University, Manila
- University of European Tourism (UET) Milano, Italy

Admission through, valid score of entrance tests i.e. CAT, MAT, C-MAT, NATA, JEE, U-GAT, HPCET etc./ Internal Screening

COURSES



AGRANI SAMKLP

अग्रणी संकल्प



नये हाथ से, वर्तमान का रूप सँवारो, नयी तूलिका से चित्रों के रंग उभारो
नये राग को नूतन स्वर दो, भाषा को नूतन अक्षर दो
युग की नयी मूर्ति-रचना में, इतने मौलिक बनो कि जितना स्वयं सृजन है॥

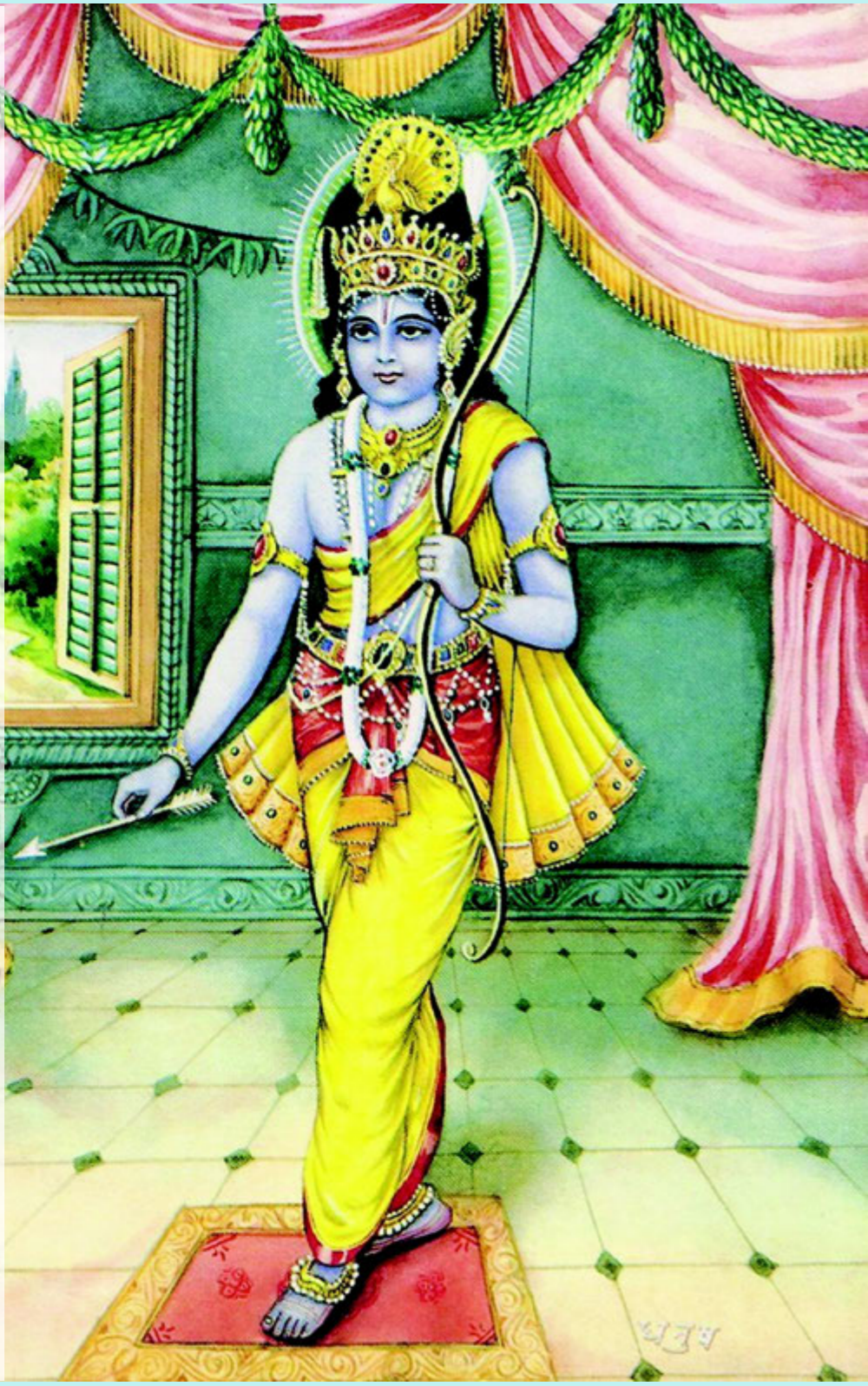
Maharaja Agrasen Technical Education Society

MAIT-Himachal strives to attain the same excellence as MAIT-Delhi

रमा है सबमें राम

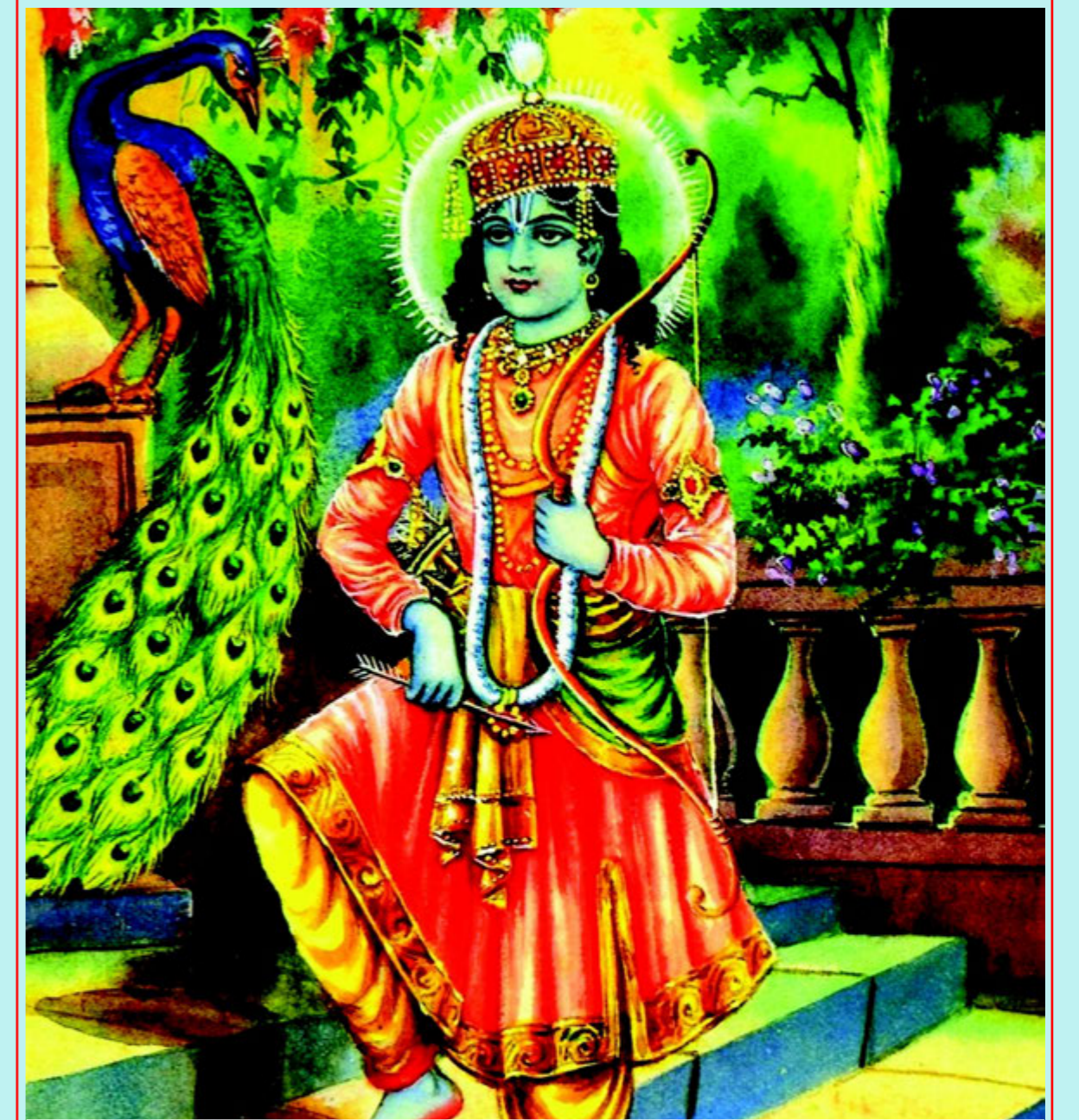
-मैथिलीशरण गुप्त

रमा है सबमें राम,
वही सलोना श्याम।
जितने अधिक रहें अच्छा है
अपने छोटे छन्द,
अतुलित जो है उधर अलौकिक
उसका वह आनन्द
लूट लो, न लो विराम;
रमा है सबमें राम।
अपनी स्वर-विभिन्नता का है
क्या ही रम्य रहस्य;
बढ़े राग-रञ्जकता उसकी
पाकर सामञ्जस्य।
गूँजने दो भवधान,
रमा है सबमें राम।
बढ़े विचित्र वर्ण वे अपने
गढ़ें स्वतन्त्र चरित्र;
बने एक उन सबसे उसकी
सुन्दरता का चित्र।
रहे जो लोक ललाम,
रमा है सबमें राम।
अयुत दिलों से युक्त क्यों न हों
निज मानस के फूल
उन्हें बिखरना वहाँ जहाँ है
उस प्रिय की पद-धूल।
मिले बहुविधि विश्राम,
रमा है सबमें राम।
अपनी अगणित धाराओं के
अगणित हों विस्तार;
उसके सागर का भी तो है
बढ़ो बस आठों याम,
रमा है सबमें राम।
हुआ एक होकर अनेक वह
हम अनेक से एक,
वह हम बना और हम वह यों
अहा! अपूर्व विवेक।
भेद का रहे न नाम,
रमा है सबमें राम।



चित्र साभार: गीता प्रेस

ध्यायेदाजानुबाहुं धृतशरधनुषं बद्धपद्मासनस्थं पीतं वासो वसानं नवकमल दल स्पर्धिनेत्रं प्रसन्नम्।
वामांकारूढसीतामुखकमलमिलल्लोचनं नीरदाभं नानालंकार दीप्तं दधतमुरुजटामंडलं रामचंद्रम्॥



जानकी नाथ सहाय करें

जानकी नाथ सहाय करें जब कौन बिगाड़ करे नर तेरो।
सुरज मंगल सोम भृगु सुत बुध और गुरु वरदायक तेरो।
राहु केतु की नाहिं गम्यता संग शनीचर होत हुचेरो।
दुष्ट दुःशासन विमल द्रौपदी चीर उतार कुमंतर प्रेरो।।
ताकी सहाय करी करुणानिधि बढ़ गये चीर के भार घनेरो।
जाकी सहाय करी करुणानिधि ताके जगत में भाग बढ़े रो।।
रघुवंशी संतन सुखदायी तुलसीदास चरनन को चेरो।

-गोस्वामी तुलसीदास

चित्र साभार: गीता प्रेस

जागो हिन्दुस्तानी प्रस्तुति



स्वतंत्रता दिवस समारोह 2019

नवशैक्षणिक सत्र 2019



VOLLEYBALL TOURNAMENT 2019



TECHSURGE & MRIDANG 2019





डॉ. नंद किशोर गर्ग

बदलता भारत

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा रामजन्म भूमि बाबरी मस्जिद विवाद में दिया गया फैसला बदलते भारत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। एक ऐसा विवाद जो साम्प्रदायिक तनाव का कारण बना उसे सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अपने सर्वसम्मत फैसले से जड़ से मिटा दिया गया। यह फैसला भारत के विकास में निश्चित रूप से मील का पत्थर साबित होने वाला है। पिछले पाँच वर्षों के दौरान देश ने अपनी सोच एवं काम करने की शैली में स्पष्ट रूप से बदलाव का संकेत दिया है एवं इस समय देश के समस्त नागरिकों का कर्तव्य है कि वे इस बदलते भारत में सहयोगी बनें एवं अपने कर्तव्य का ईमानदारी से स्वागत करते हुए तमाम विवादों को परे रखकर अपने आप को पूरी दुनिया के सामने भारतीय के रूप में पहचान दिलाने में गौरव का अनुभव करें।

महाराजा अग्रसेन टेक्निकल एजुकेशन सोसायटी के सभी पदाधिकारियों, ट्रस्टी भाइयों, शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को गुरुनानकदेव के 550वें प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ। गुरुनानकदेव के 550वें प्रकाश पर्व पर पूरी दुनिया में अनेकों कार्यक्रम हो रहे हैं। इसी उपलक्ष्य में सोसायटी द्वारा भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है। भारत की भूमि ने हर युग में मानवता को प्रेम एवं शांति का संदेश देने के लिए महापुरुषों को जन्म दिया है, जिस पर हम सभी को गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर करतारपुर कोरिडोर का शुभारम्भ होना इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि हिंसा एवं आतंक के बीच भी महापुरुषों का संदेश दो देशों को एक साथ आने को विवश कर सकता है। गुरुनानक देव जी के अनुयायियों ने आज भारत ही नहीं वरन् पूरी दुनिया में अपनी बहादुरी एवं कर्मठता की पहचान बनाने में सफलता प्राप्त की है, जिससे देश का नाम रोशन हुआ है।

इस सत्र में ही हमारी संस्था को बहुत बड़े आघात का सामना करना पड़ा जब हमारे अध्यक्ष श्री प्रेम सागर गोयल जी का आकस्मिक निधन हो गया। सोसायटी से जुड़े हुए किसी भी सदस्य के लिए उनके निधन के समाचार पर यकीन करना कठिन था क्योंकि वे पूरी तरह स्वस्थ थे एवं संस्था की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे थे। सामाजिक संस्थाएँ प्रगति के पथ पर तभी अग्रसर हो पाती हैं जब प्रेम सागर जी जैसे लोग निःस्वार्थ भाव से सेवा के लिए आगे आते हैं। अपने फलते-फूलते पारिवारिक व्यवसाय से समय निकालकर राष्ट्र निर्माण के कार्य को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से पूरा करना आसान कार्य नहीं है। इसके लिए सोसायटी के सभी पदाधिकारियों को मिल-बैठकर और ज्यादा परिश्रम करना पड़ेगा एवं यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पहली बार इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से संबद्ध इंजीनियरिंग कॉलेजों में जेईईई के माध्यम से प्रवेश दिया गया, जिससे प्रवेश प्रक्रिया देर से प्रारम्भ हो सकी एवं कुछ तकनीकी कारणों से अच्छे-अच्छे कॉलेजों में भी कुछ सीटें खाली रह गईं एवं इसका खामियाजा मेट को भी भुगतना पड़ा, जबकि पिछले 21 वर्षों में कभी भी हमारी एक सीट खाली नहीं रही। इसी प्रकार इस वर्ष बीबीए एलएलबी पाठ्यक्रम में भी प्रवेश प्रक्रिया बार कौंसिल, दिल्ली सरकार एवं इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में तालमेल की कमी के कारण प्रारम्भ नहीं हो सकी एवं इसको अब अगले वर्ष प्रारम्भ किया जा सकेगा। इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के नए कुलपति डॉ. महेश वर्मा ने अपना कार्यभार सम्भाल लिया है एवं पूरी आशा है कि अगले सत्र से प्रवेश प्रक्रिया में किसी प्रकार की अड़चन उत्पन्न नहीं होगी।

इस बार पुनः मेट एवं मेम्स के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेरिट हासिल करने में सफलता प्राप्त की है एवं उन्हें अनेकों प्रकार के पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए हैं। सोसायटी द्वारा अपनी नीति के अनुसार उन सभी विद्यार्थियों को उतनी ही नकद धनराशि ईनाम स्वरूप प्रदान की गई है जितनी राशि उन्होंने किसी दूसरे मंच से जीती। मेट एवं मेम्स की लोकप्रियता एवं प्रतिष्ठा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 600 विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा पूरी करने से लगभग एक वर्ष पहले ही विभिन्न राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में अच्छे पैकेज पर नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं। हमारे दो छात्रों को 40 लाख रुपये वार्षिक का पैकेज मिला है जो हम सबके लिए गौरव का विषय है। हमारे विद्यार्थी लक्ष्य सिंघल ने आईएएस की परीक्षा में 38वीं रैंकिंग प्राप्त करते हुए सफलता प्राप्त की है। मैनेजमेंट के विद्यार्थी विशाल सिंह ने इसी परीक्षा में 242वीं रैंक हासिल करते हुए सफलता प्राप्त की है।

सोसायटी द्वारा ग्लोबल स्कूल का 4 मंजिला भवन बनकर तैयार हो चुका है जिसमें प्राइमरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के 2000 विद्यार्थियों के शिक्षण की आदर्श सुविधाएँ उपलब्ध हैं। मेट एवं मेम्स परिसर में 'सत्या अग्रवाल' नामक ब्लॉक का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है जिस पर 15 से 20 करोड़ रुपये की लागत आने की संभावना है। इसका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सोसायटी अपने रोहिणी स्थित परिसर में नर्सरी से स्नातकोत्तर तक की शिक्षा प्रदान करने वाली पहली संस्था बन जाएगी, जिसमें विद्यार्थियों की संख्या 10 हजार से भी अधिक होगी। सोसायटी द्वारा हिमाचल प्रदेश में संचालित महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय ने भी पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चण्डीगढ़ एवं हरियाणा के बीच अपनी पहचान बनाने में सफलता प्राप्त कर ली है। विश्वविद्यालय द्वारा पहली पीएचडी की उपाधि इस वर्ष प्रदान की गई है।

सोसायटी द्वारा अपनी गुणवत्ता को बरकरार रखने की दृष्टि से इस वर्ष भी कई वरिष्ठ एवं अनुभवी प्रोफेसर्स की नियुक्ति की गई है। दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. एस. के. गर्ग को मेम्स का डायरेक्टर जनरल बनाया गया है। विद्यार्थियों के मन में सामाजिक चेतना, पर्यावरण जागरूकता एवं देशप्रेम के संस्कार विकसित करने के लिए भी रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण अभियान, प्राकृतिक आपदाओं के समय सहयोग देने के लिए विशिष्ट अभियान 'ज्वॉय ऑफ गिविंग' जैसे कार्यक्रमों का आयोजन अब सोसायटी की पहचान बन चुका है।



उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति
कार्याणि न मनोरथैः

Chief Patron

* Dr. Nand Kishore Garg

Patrons

* Prof. M.L. Goyal
* Prof. Neelam Sharma
* Prof. M.K. Bhat

Advisors

* Prof. N.K. Kakkar
* Dr. I.M. Kapahy
* Dr. Vinita Gupta
* Mr. S.K. Singh

Editorial Board

Ms Namrata Sharma - *Editor-in-Chief*
Dr. Parul Sharma - *Editor*
Ms Sumedha Dutta - *Editor*
Prof. Kamal Nain Chopra - *Member*
Ms Abhilasha Gokhale - *Member*
Mr. Anupam Kumar - *Member*
Dr. Farzil Kidwai - *Member*
Dr. Monika Aggarwal - *Member*
Ms Surabhi Lata - *Member*
Ms Meenakshi Gupta - *Member*

Special Thanks :

Mr. Rakesh Chaurasia - *APRO*

Student Editorial Board

Saransh Mohan - *IV Year CSE (Student Head)*
Vishrut Munjal - *IV Year MAE*

Publisher :

Printed and Published by

Dr. Nand Kishore Garg

on behalf of Maharaja Agrasen
Technical Education Society
(Regd.) and Printed at Excelprint
C-36, Flatted Factories Complex
Jhandewalan, New Delhi-110055
RNI No. DELBIL / 2004 / 13859



Maharaja Agrasen Technical Education Society (Regd.)

PSP Area, Maharaja Agrasen Chowk,
Sector-22, Rohini, New Delhi-110086
Tel. : 011-65151162, 63
Fax : 91-11-27582095
E-mail : mait@mait.ac.in
website : www.mait.ac.in

Contents

बदलता भारत – संस्थापक की कलम से	1
CAMPUS NEWS	
Bhoomi Pujan of Satya Block at MAIT Campus	3
Director's Message	4
PM Letter	5
India Mobile Congress 2019	6
National Conference on Physics and Chemistry of Materials	7
FDP on Recent Advances in Applied Sciences	7
Career Creative Conclave	8
Seminar on Actuarial Science	9
Genesis 2019	9
Lecture on Significance of Bhagwad Geeta for Students	9
Commi Festa 1.0	10
Techex	10
Orientation 2019	11
Bizmind	11
Self Defence Training at MAIMS by Delhi Police	11
FDP on Advance Data Analysis Techniques	12
FDP on VLSI Design and Modeling	12
Visit to 'Amar Ujala'	13
Technical Talk on waste to Energy	13
FDP on Nature Inspired Computational Techniques for Engineering & Sciences	14
Industrial Visit to Moon Beverages Pvt. Ltd.	14
Educational Visit @ ITTM Delhi	15
Special lecture on Investigative Journalism	15
Activities in the Law Department	16
Parichay 2019	16
Workshop on Machine Learning	17
Students of MAIT Rocks in Italy	18
Workshop on IOT	19
Educational trip to The Energy and Resources Institute	20
Faculty Development Programme @MAIT	20
Workshop on 'Buiding Information Modeling for HVAC'	21
Hult Prize 2020	21
National Seminar on "Energy Environment and Sustainability"	22
MATES Celebrates Holi	22
Farewell to 2015-19 batch	23
Teacher's Day	24
Annual Student Convention-2019	29
Prominent Placements	29
Industrial Visit to Semiconductor Laboratory (SCL), Mohali	30
OUR ACHIEVERS	
Congratulations	31
Gold Medalist & Exemplary Performance	32
Results	33
FACULTY ARTICLES	
रेडियो की भाषा का श्रोताओं पर प्रभाव	38
The Digital Demon: Save young generation	39
प्रान्तीय भाषाओं का विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के...	41
विदेशी कलम से भारत गाथा हम कौन थे?	43
योगासन	45
Greta Thunburg - The 16 year old climate change activist	47
STUDENT ARTICLES	
Beat Plastic Pollution, it is in our hands	44
A Dreamer	45
Use water wisely otherwise....	48
3 a.m. and the fireworks in my mind	46
Transformation Through Art	49
विशेष	
सौ क्यों मंदा आखियें जिस जन्मे राजान	50
मर्द-ए-कामिल	51
OBITUARY	
Condolence Message	52

BHOOMI PUJAN OF 'SATYA BLOCK' AT MAIT CAMPUS

29th of September 2019, the auspicious day of Maharaja Agrasen Jayanti, established the aphorism of the Bhavishya Puran - *danamekamkalauyuge* as this day witnessed Sh Vinod Garg, trustee MATES to donate generously for the establishment of the tenth Block in MAIT along with his brothers in the memory of their sister Late Smt. Satya Aggarwal. Foundation digging ceremony on 29th September 2019 marked the commencement of the construction work for a multi-storey academic block purposely designed with state of art classrooms, seminar rooms, library, computer labs and mini auditorium. Sh. Sanjay Goel S/o Sh. Sunder Lal Goel, M.D., Lars Medicare (P) Ltd. graced the occasion as the chief guest.

It is noteworthy that Ms. Satya Agarwal was the diligent student of Sh. B.L. Mahajan and with his inspiration the copy of Hindu scriptures was placed in the foundation of the block.

Sh Prem Sagar Goel, Chairman, MATES expressed his gratitude to Shri Vinod Garg, Trustee for his generous financial contribution for the construction of the 'Satya Block'. He observed it as a result of joint efforts of all members of the Maharaja Agrasen Technical Education Society. Further, he said, "Dr Nand Kishore Garg is a great visionary who dreamt of providing education from LKG kids to PhD Scholars. It is his vision that inspires philanthropists to do selfless work for society." He concluded his speech by quoting the couplet from the Ramcharitmanas:

प्रगटचारिपदधर्मकेकलिमहुँएकप्रधान।

जेनकेनबिधिदीन्हेंदानकरइकल्यान।।

Dr Nand Kishore Garg said, "It is by the charity that we can establish a strong foundation of a noble society. When it is offered freely from the heart to worthy recipients, at the proper time, and the appropriate place, it is bequeathed to be in the mode of goodness."

Shri T R Garg, Sh S C Tayal, Sh Mohan Garg and office bearers of Mates along with Prof Neelam Sharma, Director, MAIT, Dr M K Bhatt, Director, MAIMS, Dr S S Deswal, Dean, MAIT and other dignitaries graced the occasion. ○



MESSAGE



Prof. Neelam Sharma
Director MAIT

I wish all a good life.

With a glorious history of twenty years, MAIT has blossomed into a premier institute of technical teaching and learning in the National Capital Region. We have a dynamic management, competent faculty and state of the art infrastructure to meet global standards in the field of education. We at MAIT are committed to provide high academic standards and value based learning to our students so as to nurture responsible citizens for a better and brighter future.

MAIT has many laurels and achievements to its credit. Our three branches (CSE, ECE and MBA) are NBA accredited. We have emerged as a site for providing talented technocrats for both private and public sector. In the current academic session more than 500 students have been already placed.

I truly believe in what Albert Einstein epitomized that imagination is more important than knowledge. For knowledge is limited to all we know and understand, while imagination embraces the entire world, and all there ever will be to know and understand. My message to the staff, students and all the stake holders of MAIT is to dedicate their efforts in applying knowledge in solving the practical problems of the world.

- **Learning gives creativity, creativity leads to thinking, thinking provides knowledge, and knowledge makes you great.**
- **Look at the sky. We are not alone. The whole universe is friendly to us and conspires only to give the best to those who dream and work.**
- **Where there is righteousness in the heart, there is beauty in the character. When there is beauty in the character, there is harmony in the home. When there is harmony in the home, there is order in the nation. When there is order in the nation, there is peace in the world.**

A. P. J. Abdul Kalam



प्रधान मंत्री
Prime Minister

New Delhi
22 Jyaistha, 1941 Saka
12th June, 2019

Dr. Nand Kishore Garg Ji,

Thank you for your congratulatory message on the historic success of the BJP and NDA in the 2019 Lok Sabha elections.

Through the verdict, 130 crore Indians have reaffirmed their unwavering faith in politics of development and good governance. The people of India have voted for a strong and stable Government, which can fulfil the aspirations of India's youth.

Over the last five years, the NDA Government has taken path-breaking and futuristic decisions that have brought a positive difference in people's lives.

The stupendous work in the last 5 years convinces me that with the right effort and determination, the impossible can become possible.

You would be happy to know that we are hitting the ground running from the word go. After-all, there is a lot to be done. By 2022, we want every Indian to have a home. We also want the income of farmers to be doubled. The Government has extensive plans to make India a 5 trillion dollar economy. To harness the potential of our youth, we want to make India the top start-up destination in the world.

Guided by 'Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas', we will continue to make development a mass movement and provide progressive, development oriented and corruption free governance to build a strong, prosperous and inclusive India.

Yours,



(Narendra Modi)

Dr. Nand Kishore Garg
Founder & Chief Advisor
Maharaja Agrasen Technical Education Society
Keshav Kunj
10/4, East Punjabi Bagh
New Delhi - 110026

INDIA MOBILE CONGRESS 2019

Bang in the middle of TechTober, MAIT Students and Faculty organized a day long excursion to India Mobile Congress 2019, the flagship tech expo of South East Asia Organized by the Department of Telecommunications (DoT) and Cellular Operator Association of India (COAI) held at Aerocity, Delhi from the 14th to 16th October. 5G was unquestionably the epicenter of the industry's adulation, owing to the next generation of telecom being at the helm of commercial rollout in India.

Delegates were elated to explore stands by the likes of Ericsson and Huawei. The Telecom Trifecta: Vodafone-Idea, Airtel and Reliance Jio made their presence felt by showcasing their innovations and know-how of 5G, ahead of the trials and spectrum auctions. Nonetheless, IoT, AR and VR also shared the spotlight, with established conglomerates and ambitious startups demonstrating their attractions and concepts under one roof.

The participation of students in the event was organized by Mr. Gopal Mittal, Sr. Director - Commercial and Finance and co-ordinated by Prof. Neelam Sharma, Director MAIT. The three day event was co-ordinated by MAIT faculty members Dr. Nitin Sharma, Dr. Monika Gupta. Around 455 students and 50 faculty members of four department of MAIT visited the different start ups based on 5G technology and also attended the seminars in main hall. Students gained their fair share of field experience by acquainting themselves to VR Soccer, Connected Mobility from the likes of MG and Kia, and the emerging concept of *Smart Cities* to transform the way of living in the urban jungle. The festivities only escalated with the convergence of the entire IT industry, as stalwarts like Mr. KM Birla, Chairman, Aditya Birla Group and Manu Kumar Jain, CEO, Xiaomi India spoke on the use cases and untapped potential of all these breakthrough technologies. Furthermore, Hon'ble Union Minister for Communications and Information Technology, Mr. Ravi Shankar Prasad also graced the event with his presence.

Telecom Secretary Mr Anshu Prakash, IAS, in a proud moment for the IT fraternity, listed India's monumental achievements in the digital sector, while equally highlighting the tantalizing opportunities offered in the future. India Mobile Congress (IMC) 2019 saw a slew of launches with real use cases in the telecom sector, where the companies collaborated



with each other to bring out the future innovations. Reliance Jio and Samsung presented new business opportunities using 5G NSA mode, with advanced 4G LTE and 5G technology used in combination as a dual-connected mode network. Reliance Jio and Samsung showcase 5G technology use cases at India Mobile Congress 2019. These will demonstrate how innovations from the latest technology can benefit

consumers, enterprises and the society. Ericsson and Qualcomm Technologies also completed the first ever live 5G video call in India using 28 GHz spectrum. The demonstration was done using a smartphone based on the Snapdragon 855 Mobile Platform with Snapdragon X50 5G Modem-RF System and Ericsson's 5G platform including 5G NR radio, RAN Compute products and 5G Evolved Packet Core, set up at the IMC venue.

The MillimeterWave (mmWave) 5G networks are commercial in the US and being rolled out in many advanced countries including Japan and Korea, where 28 GHz and 39 GHz spectrum bands are being considered for 5G deployments. For mobile networks, mmWave spectrum will be an important capacity layer for both 4G and 5G, the companies said.

To demonstrate, Nunzio Mirtillo Head of Ericsson South East Asia, Oceania and India, made a video call to Rajen Vagadia, Vice President, Qualcomm India at the venue. The companies have already worked closely to create several 5G technology.

"Ericsson was the first telecom vendor to demonstrate 5G technology in India in 2017. Over the past few years we have been working with several stakeholders to build the 5G ecosystem in the country. Today marks an important step in India's journey towards 5G. This 5G video call and our longstanding collaboration with Qualcomm Technologies is a testament of how the real benefits of 5G can be achieved through partnerships and collaborations," Mirtillo said.

Similarly, Nokia and Vodafone-Idea Business Services rolled out software-defined wide area network (SD-WAN) services for start-ups and enterprises in India. SD-WAN simplifies the management and operation of the enterprise's network. While the SD-WAN market is still at a nascent stage, it is expected to become a \$10 billion opportunity globally by 2023 as per industry reports.



National Conference on Physics and Chemistry of Materials, April 22-23, 2019

Materials are basic building blocks for all devices, components, subsystems, systems and are essential requirements for any development to take place. Globally, efforts are being made to develop new materials with improved performance in order to make the systems more efficient, more intelligent, environment friendly, cost effective, small in size, low power consumption etc. Keeping this in mind, National Conference on Physics and Chemistry of Materials was organized by Department of Applied Sciences in association with Materials Research Society of India (MRSI).



The technical program included keynote address, invited talks, contributory papers (oral and poster presentations). The topics covered were: Ferroelectrics, Pyroelectrics and Piezoelectrics; Multiferroics, Magnetic and Magneto-electric Materials; Functional nano-materials; Processing and characterization techniques; Polymers and composites; Semiconductor thin films and devices; Sensors, actuators and transducers. There were 18 invited talks by eminent researchers in the field and 134 contributory papers were presented in oral and poster sessions. In all these papers, 269 authors were involved from more than 50 institutions including DRDO & CSIR labs, DAE & DST Centres, IITs, NITs, BITS, Thapar; Central, State and Private Universities.

Financial support was provided by DRDO, MRSI and Society for Semiconductor Devices.

FDP ON RECENT ADVANCES IN APPLIED SCIENCES

In order to enrich and refresh the knowledge of faculty members, a Faculty Development Program (FDP) was organised by Department of Applied Sciences during June 6-11, 2019. There were total 12 talks on different topics related to recent advances in the field of Physics, Chemistry, Maths and Humanities. In addition to speakers from MAIT, 6 talks were delivered by invited speakers. There was a practical training session on design of google sheets using MS Office. At the end, a talk on Novel processing of advanced functional materials was delivered by Prof. Chandra Prakash, HoD, Deptt of Applied Sciences.



Visit to DRDO Lab

For the benefit of faculty of Deptt of Applied Sciences, a visit to Solid State Physics Laboratory (SSPL), DRDO, Delhi, was arranged on June 10, 2019. The faculty had a very fruitful interactive session with DRDO scientists working on a variety of advanced semiconductor materials and devices. They were shown the facilities for fabrication and characterisation of materials and devices.

National Technology Day Celebration

National Technology Day is observed to memorialize the nuclear test which was conducted in Pokhran on 11th of May, 1998 under the political leadership of Sh. Atal Bihari Vajpayee and technical leadership of Dr. APJ Abdul Kalam. This was a matter of pride for all the citizens of India. The day also praises the significance of Science in our day to day lives.

The Technology Day was celebrated on 11th May 2019 by MAIT on the initiative of Deptt of Applied Sciences. Prof. Krishan Lal, Honorary Professor at IIT, Kanpur & Delhi University and former Director, CSIR-National Physical Laboratory, Delhi, delivered Technology Day Oration on the topic: Precise Measurements: A key to Technology Development. The event was attended by faculty and students of MAIT and was presided over by Dr. ML Goyal, Vice Chairman (Academics) MATES.

INTER COLLEGE QUIZ



Maharaja Agrasen Institute of Management Studies in association with Maulana Azad National Institute of Technology, Bhopal organized an Inter - College quiz competition, on 12th February, 2019, in its campus. A total of 37 teams; with 2 participants per team had registered for the competition. The quiz saw the entry of 74 participants from various prestigious colleges of Delhi University, to name a few: College of Business Studies, Keshav Mahaavidyalaya, Shayama Prasad Mukherjee, Ramjas, etc. We also had participation from other private colleges, such as Vivekananda College of Professional Studies, Maharaja Agrasen Institute of Technology, Rukmani Devi Institute of Management Studies, Chandra Prabhu Jain College of Higher Studies, etc.

After a brief introduction of the rules and regulations, the competition started with a written elimination test. 21 teams were shortlisted for the second round which was an audio - visual round. Parag and Pulkit (B.Com, 1st year) from Maharaja Agrasen Institute of Management Studies were declared as the winners of the second round. Our winners went to Bhopal on 17th February, 2019 for the final round. The event concluded with the distribution of prizes and certificates to the participants as well as the finalists by Prof M.K.Bhat, Director, MAIMS. Prof M.K.Bhat wished success to the winning team for the upcoming round. ○

CAREER CREATIVE CONCLAVE



To provide practical insights to our students, Maharaja Agrasen Institute of Management Studies in collaboration with Pearl Academy, Delhi organized a Career Creative Conclave on 1st March, 2019, to offer guidance on various career options available to the students after their graduation. The Conclave was graced by Dr. Nand Kishore Garg, Founder Chairman, MATES and Prof M.K. Bhat, Director, MAIMS. The expert speakers for the day were Mr Ravi Dhingra, eminent photographer and owner of a studio in Delhi; Mr. Karan Rajpal, Head Digital Marketing of Dalmia group; Mr. Ujjwal K. Chowdhary, Dean School of Media and Mrs. Srishti Bajaj, Head of Department, School of Design. The opening remarks were given by Dr Nand Kishore Garg who stressed the need to infuse usability of designs which should be a reflection of our rich cultural ethos. Prof. Bhat encouraged the students to evolve as future job providers rather than job seekers.

Mr Ravi Dhingra highlighted the need for nurturing creativity and imagination to successfully sail in the competitive career field of photography. Mr. Karan Rajpal highlighted the tremendous growth possibility in digital marketing which is all set to rule the world. Mr. Ujjwal K. Chowdhary appraised our students about the intricacies of the booming Media and Entertainment industry of tomorrow while Ms. Srishti Bajaj emphasized on career opportunities available in graphic and web designing. All the speakers motivated the students to work with passion to achieve their dreams. ○

Debate Competition on the topic Women Empowerment: A Misconception

Debate is an important part to reach any conclusion when it comes to Journalism and Mass Communication it seems a most important skill to learn. It's a regular feature of Department of Journalism and Mass Communication, Maharaja Agrasen Institute of Management Studies to organise Debate Competitions. 80 students of BA (JMC) first year expressed their views in favour and against the motion on the topic 'Women Empowerment: A Misconception' in the debate competition held on 25th September, 2019. The competition was organised by Prof. Vinita Gupta, HOD, Department of Journalism and Mass Communication, MAIMS and faculty Ms. Nidhi Chaudhry. ○

SEMINAR ON ACTUARIAL SCIENCE

Compact-The Commerce Society of Maims organized a seminar on Actuarial Science in association with Alpha Plus on 5th March 2019. It was taken up by Mr. Manish Malik who himself is a renowned career counselor, motivator and a qualified mathematician and statistician. He has been counseling for the last 17 years and helped more than 50,000 students identify their right path forward.

Alpha Plus Pvt. Ltd. is a top ranked actuarial science institute in Delhi which offers professional coaching for actuarial science. The courses are designed to provide quality learning in actuarial science in various horizons. Their objective is to provide plethora of information about some of the most promising career opportunities which you might feel the urge to consider and pursue after graduation. The overall feedback given by students was overwhelming.



GENESIS 2019

Genesis 2019, the Annual Cultural Fest of Maharaja Agrasen Institute of Management Studies (MAIMS), Rohini, was celebrated on 7th and 8th March, 2019 in the college campus. This year the event was graced by the presence of Dr Nand Kishore Garg (Founder Chairman & Advisor, MAMES) and Prof M.K. Bhat (Director, MAIMS).

Over the last 11 years, Genesis has graduated to the level of being the cultural fest for the students of Delhi. This year, Genesis surpassed its previous records by taking the number of entries in to 400+ in various events. We had maximum participants from various prestigious colleges like Sri Ram College of Commerce, DeenDayalUpadhaya College, Gargi College, Miranda House, Kirori Mal College, Jesus and Mary College, Maitreyi College, Institute of Home Economics, Janki Devi Memorial College, etc. Besides Delhi University, students from Guru Gobind Singh Indraprastha University, Indian Institute of Technology, Delhi, and Dehradun Institute of Technology, also competed in the various events. The beauty of Genesis is that judges with professional calibre from outside are invited to give their impartial decisions. MAIMS students perform but do not compete with external participants to maintain unbiased character of the events.

Genesis 2019 marked a special day for MAIMS as talent galored in a plethora of performances, ranging from singing, solo/ group dance performances, slam poetry, business plan, comedy hunt, virtual FIFA, panel discussion, to fashion show, etc. The events proved that the artistic calibre of students' is depicted by the status of their concerned institutions, mention can be made of Sri Guru Gobind Singh College of Commerce came 1st in Fash-p; Gargi College secured 2nd position in *Tamasha*, the Street play; while College of Vocational Studies came 1st in *Groove*, the group dance.

LECTURE ON SIGNIFICANCE OF BHAGWAD GEETA FOR STUDENTS

Maharaja Agrasen Institute of Management Studies inaugurated the academic session of 2019-2020 on a spiritual note by organizing a lecture on 'Significance of *Bhagwad Geeta* for Students' by revered Sri. Keshav Murari Prabhu, President of Rohini ISKON temple, on 15 July, 2019. He was accompanied by Sri. Prabhu Antaryami Das and Mata Indulekha.



The lecture was a part of the integrated vision envisaged by our honoured Chairman Sir, Shri Nand Kishore Gargji, who believes in educating not only the minds of the students but their hearts too. The event was presided by Prof. M.K. Bhat, Director, MAIMS.

Sri. Keshav Murari Prabhuji in simple and familiar terms emphasized on the practical uses of *Bhagwad Geeta* - which literally translates as 'Song of the God' - as a useful spiritual instruction manual to deal with life problems for students. He insisted how students can begin meditating on one *Bhagwad Geeta* shloka a day to experience how this beautiful spiritual text can help them deal with their everyday problems and develop discipline and control over themselves.

The lecture was followed by an interactive session where students asked some curious philosophical questions relating to *punya* and *paap*, path to salvation, *varnashrama dharma*, and modern ailments such as killing in the name of God.

COMMI FESTA 1.0



Compact-the Commerce Society, Bizmind-Entrepreneurship Cell and Illuminate Club of Maharaja Agrasen Institute of Management Studies (MAIMS), organised its first ever edition of CommiFesta 1.0, the annual commerce fest of MAIMS on 28th, March, 2019 in the college campus. The event was graced by the presence of Shri Jagdish Mittal ji, Vice - Chairman, MATES; Shri Rajnish Gupta ji, Secretary, MATES; Dr Neelam Sharma, Director, MAIT and Prof. M.K.Bhat, Director, MAIMS. CommFiesta 1.0 started with its Inaugural by lamp lighting ceremony and seeking blessings from all the dignitaries. Apart from MAIMS fraternity, we had Mrs Laxmi Devi as our guest of honour and Mr Rajnish Prajapat as our special guest of the event.

We also organized an Entrepreneurship Carnival wherein inspiring future entrepreneurs were encouraged to display their innovative ideas. There were 16 start-ups who displayed their products and business plans, making the event all the more interesting.

MAIMS created a new milestone for undergraduate business institutions by inviting 22 companies inside Campus for evaluating the profile of 155 students for internship. The

Internship fair not only had great participation from in-house students but also students from other colleges, to name a few, Gargi College, University of Delhi, College of Vocational Studies, University of Delhi and other affiliated colleges of GGSIP University.

In addition, we also had an interactive session wherein the challenging journey of 6 eminent speakers from no-where to every-where was shared with the students. The renowned speakers who shared their experiences were, Dr. Sanjay Pande, Tedx speaker, former civil servant, communication coach; Mr. Piyush Chhabra-Founder and Director of MEA-ME; Mr. Divij Bajaj, Director and Founder of Silent Disco; Ms. Divya Gupta, CEO of Uincept; Ms. Anushree, Director, Millenna Professionals Co and Mr. Darpan, Co-Founder of Paapos. Apart from this, varied business games, like bulls and bears (mock stock), Cover Drive (IPL bidding) and treasure hunt were conducted to apprise students with different aspects of business.

The three events together provided valuable insights to the students to help them to sustain, survive and conquer the highly competitive business - world. The enthusiasm of the students made the events successful.

TECHEX

(Exhibition of Research Projects under IMPRINT and UAY schemes, MHRD, Government of India)

In order to facilitate translation and utilization of knowledge in Engineering and Technology generated through research in Higher Educational Institutes (HEIs) in India, the Ministry of Human Resource Development had launched IMPacting Research, INnovation and Technology (IMPRINT) and UchhatarAvishkar Yojana (UAY) schemes in collaboration with various Ministries and Industries. The Prototypes/Models developed under this scheme are showcased in the Technology Exhibition (Tech Ex) on 4th August, 2019 at IIT Delhi. Students of Maharaja Agrasen Institute of Technology, Delhi also participated in the event accompanied by Dr. Vaibhav Jain, Asst. Prof., MAE Deptt., under the guidance of Dr. Neelam Sharma, Director, MAIT and Dr. Ved Nath Mathur, HoD, MAE Deptt. The event was informative and showed the latest sustainable developments in field of Engineering and Technology.



ORIENTATION 2019



An Orientation program aims at building a network of resources to help students and their parents start their college journey in an informed manner. Maharaja Agrasen Institute of Management Studies (MAIMS) organized the orientation program for the newly admitted undergraduate students of BBA, B.Com (Hons.), Economic (Hons.), BA (LLB) and BA (JMC) on 13th August, 2019. Students and their parents

were formally welcomed and introduced to the culture of the College.

The orientation began with a brief inaugural ceremony at our MAIMS Campus. The dignitaries present on the occasion were Dr Nand Kishore Garg Ji (Founder Chairman), Dr S.K. Garg (Director General, MAIMS) and Prof. M.K. Bhat (Director, MAIMS).

Dr Nand Kishore Garg ji welcomed and congratulated the new batch for their acceptance to the college. He introduced them to the achievements and mile stones that MAIMS has achieved with constant pursuance of excellence. He also expressed his desire to take this legacy forward with determination.

Dr S. K. Garg (Director General, MAIMS) advised the students to be alert to their surroundings so that they are in a better position to encash the opportunities. The need to view these opportunities with a positive mind set was emphasized by Prof M. K. Bhat (Director, MAIMS). The vote of thanks was delivered by Prof. M.K.Bhat to conclude the event. ○

BIZMIND

With more than 1 billion global users, Digital Marketing is creating a significant impact in our everyday lives. Organizations worldwide are waking up to the opportunity of this revolutionary medium to fulfill various business objectives ranging from Sales, Marketing, CRM, Product Development and Research. To apprise the students on this contemporary topic, Bizmind, Ecell of Maharaja Agrasen Institute of Management Studies organized a workshop on Digital Marketing on September 24, 2019 by Mr. Sahil Khanna. Mr. Sahil Khanna Engineer turned Digital Marketer is ranked amongst one of the top Digital Marketers in India. He aims to convert 5, 00,000 entrepreneurs into digital entrepreneurs across the globe with his YouTube channel Intellectual Indies.



The workshop helped the students to understand the building blocks of digital marketing, the tools and techniques and the knowledge to develop cohesive market strategies. It focused on building traffic, expanding brand awareness, improving customer service and gaining insight into today's latest digital tools. The session was well received by one and all. ○

SELF DEFENCE TRAINING AT MAIMS BY DELHI POLICE

To commemorate the 150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi a 10 days Self Defence Training Program by Delhi Police for girl students of Maharaja Agrasen Institute of Management Studies, was organized from 23rd September to 4th October 2019. Around 100 girl students got training by Delhi Police trainers. The program saw a great enthusiasm and confidence amongst the girl students. The program was coordinated by Prof. Vinita Gupta, HOD, Department of Journalism and Mass Communication, MAIMS along with co-coordinators, Dr. Gaurav Aggarwal and Ms. Purnima Garg. ○



FDP ON ADVANCE DATA ANALYSIS TECHNIQUES

A One Week Faculty Development Programme on “Advance Data Analysis Techniques: SEM & Econometrics” was organized from May 24-29, 2019 in Department of MBA, MAIT. The Key speakers during the FDP were Dr. H.K. Dangi, Associate Professor, Department of Commerce, University of Delhi and Dr. Sunita Arora, Associate Professor, Department of Commerce, Government College for Girls, Gurugram

The program was attended by 46 faculties/Research Scholars. 33 attendees were external participants from different academic institutions like, Goa University (Goa), Guru Nanak Dev University (Amritsar), Jaipuria Institute (Delhi), Jaypee Institute (Delhi), Amity University (Noida), IIT Delhi, Delhi University, and other institutes affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University.

Through this FDP participants were sensitized with the contemporary research methodology of SEM and Econometric techniques. All the participants expressed their satisfaction with the way the FDP was conducted and appreciated the two Knowledgeable Resource persons for their effective teaching and query handling and congratulated the department for conducting an almost flawless programme.



FDP ON VLSI DESIGN AND MODELING

Department of ECE, MAIT conducted a one week Faculty Development Program on “VLSI Design & Modeling (Short Intensive Course)”, which was held from 6th May 2019 to 11th May 2019 at MAIT campus.

The FDP was aimed at honing the teaching and research skills of prospective, new and seasoned management teachers, researchers in the field of VLSI Design and Modeling.

The keynote speakers during the FDP were Prof. R.S.Gupta (ECE Department, MAIT), Dr. P.K. Saxena (Tech Next Lab Pvt. Ltd.), Dr. Yogesh Pratap (Delhi University) and Dr. Manoj Kumar

(Post Doctoral Fellow, Dept. of Electrical Engg., IIT Delhi).

Lab sessions were taken by Mr. Harendra Kumar (Synopsis), Mr. Ankush Singh and Mr. Mayank Singh (CoreEL), Dr. Sonam Rewari and Mr. Nitin Trivedi (M.A.I.T.).

The program was attended by 63 faculties/Research Scholars. 20 attendees were from different academic institutions like Delhi Technological University, Delhi University, IIIT Delhi and colleges affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University.



VISIT TO 'AMAR UJALA'



Department of Journalism and Mass Communication, Maharaja Agrasen Institute of Management Studies (MAIMS) organised a media visit on 9th September, 2019 for the students of BA (JMC) to Amar Ujala (NOIDA). A Batch of 40 students along with Prof. Vinita Gupta and faculty Ms. Nidhi Chaudhry reached Amar Ujala's Noida office early morning. Amar Ujala, a Hindi National Daily published in India having its 22 editions published in 7 states and 1 union territory covering 180 districts having circulation of around 2 million copies having third largest readership among newspapers in India.

The main purpose of this media visit to Amar Ujala was to provide students practical exposure about various functions of a daily and production of a newspaper and how the newspapers are designed and printed.

Students got to know important facts and figures and also learned the actual definition of media and the ethics of journalism discussed with the students by the editor of Amar Ujala Mr. Indu Shekhar Pancholi. Afterwards students moved to print room's meeting and work area where Mr. Hari Verma addressed students about the various procedures taken in practice in editorial department before the publication of the newspaper. Students also got knowledge about how E-newspapers are edited and uploaded in the digital room.

Students saw the corporate film of Amar Ujala and procedure of printing the newspaper with the help of big machines and steel plates printed in four different colors. It was a great learning experience for the students.

TECHNICAL TALK ON WASTE TO ENERGY (RUNNING CHILLERS WITH ORGANIC WASTE)

ASHRAE (American Society of Heating, Refrigerating and Air-Conditioning Engineers) society MAIT organized a Technical Talk on Waste to Energy (Running chillers with Organic Waste) for the students and faculty members of Mechanical and Automation Engineering Department on 9th August, 2019. Mr. K.D. Singh, Managing Director, Aircon Engineers Private Limited, New Delhi was invited as the keynote speaker. The talk was very interesting and interactive. Mr. Singh proposed an alternative solution to meet the cooling requirement of large buildings with the help of Vapor Adsorption System which is run by Organic Waste. Mr. Singh shared his experience of installation of geothermal plant at NIIT, Neemrana. Mr. Singh also showed that proposed system is commercially viable and sustainable.



FDP ON NATURE INSPIRED COMPUTATIONAL TECHNIQUES FOR ENGINEERING & SCIENCES

Department of Information Technology got an opportunity to conduct an ICT based Faculty Development Program on “Nature Inspired Computational Techniques for Engineering & Sciences”. FDP was remotely transmitted by National Institute of Technical Teachers Training and Research (NITTTR), Chandigarh with MAIT as one of the remote centers. FDP was organized in Lab 114 during Monday, 23rd September 2019 to Friday, 27th September 2019.



FDP began with an introductory session taken by Dr. Sandeep Singh Gill (Course Coordinator). Dr. Brajesh K. Kaushik, IIT Roorkee delivered a talk on Spintronics based neuromorphic computing. Dr. Lini Mathew, NITTTR Chandigarh explains the concept of Neural network in very informative manner. Genetic algorithms and its applications were explained very clearly to all the participants by Dr. Srinavasa KG, NITTTR. Dr. Munish Rattan, GNDEC, Ludhiana talked about Application of Cuckoo search algorithm. Function of MATLAB Toolbox and ANN Ensemble were explained by Er. MM Zafar, Design Tech Solution, New Delhi and Dr. B.S. Dhaliwal, GNDEC, Ludhiana respectively. At the end of every session faculty members were given the opportunity to ask their queries. Total 58 participants from various departments attended the workshop. Prof. (Dr.) M.L. Sharma, HOD, IT Department, Mr. Ajay Kumar Kaushik, Assistant Professor, IT Department, Dr. Neha Agrawal, Assistant Professor, IT Department, Mr. Bhaskar Kapoor, Assistant Professor, IT Department were Workshop Coordinators. Mr. Surender Bhardwaj, Assistant Network Engineer, IT Department and Mr. Sachin Kumar Garg, Technical Officer, IT Department were the main Staff Coordinators. ○

INDUSTRIAL VISIT TO MOON BEVERAGES PVT. LTD.

An industrial visit to Moon Beverages Pvt. Ltd., Sahibabad was organized on 30th March, 2019 for students of Mechanical and Automation Engineering Department. 35 students accompanied with 3 faculty members of MAE Dept. attended the same. Moon Beverages started with manufacturing of soft drinks THUMS UP, LIMCA, MAAZA, RIMZHIM, BISLERI, SODA GOLD SPOT under arrangement with Parle. However in 1994 the company became the authorized bottler of Coca Cola Atlanta, USA and started manufacturing and distribution of Coca Cola, Limca, Sprite, Maaza, Thums UP, Fanta, Minute Maid, Coke Zero & Kinley.



Moon Beverages Pvt. Ltd., Sahibabad

At the company, the students were briefed about the manufacturing process by their technical staff. Ms. Bhawna gave presentation related to the history of Moon Beverages Pvt. Ltd., Sahibabad and its operations and production to the students. Students were taken around the plant and were explained about the production and operations process. Then students were taken around various divisions and explained about the operations in each division. The process of making the soft drinks is totally automated and is internationally designed. Students cleared all their queries and received an interactive exposure. ○

EDUCATIONAL VISIT @ ITTM DELHI

The industrial visit is considered one of the most tactical methods of teaching. It provides students with an opportunity to learn practically through interaction, working methods and employment practices. Moreover, it gives exposure to the useful information related to the practical aspects of the educational course. After the concrete efforts of Prof. (Dr.) M.L.Sharma, HOD (IT) the students of B.Tech(IT), MAIT got this esteemed opportunity to have an Industrial visit to a prestigious Institute ITTM (MTNL), Shadipur, New Delhi on Wednesday, 14th February, 2019. The purpose of this technical industrial visit was to make students aware of

- i. Telecom Technologies,
- ii. Optical fiber systems (SDH & FTTH),
- iii. Data Communication & IP networks,
- iv. Broadband concepts,
- v. Technology & service aspects,
- vi. GSM, CDMA & 3G, 4G, 5G etc.

As the field exposure at MTNL is unique since no other Company can match the Infrastructure of MTNL. At present, MTNL has about 65 latest technology Digital switches spread all over Delhi.

The students of B.Tech(IT) 4th Semester participated in this industrial educational visit. Students got the opportunity to



understand the latest in Telecom Technology & IT like Transmission, Switching, GSM, 3G, 4G, 5G, Broadband, IT and get exposure to Digital switches, Transmission Network & Equipment, the latest State-of-the-art NGN switch, GSM, MSCs, Intelligent Network switches, Broadband NOC & MPLS and IP networking. On behalf of all management and students we take this opportunity to thank the entire team of ITTM, Shadipur, New Delhi for providing us with the practical information and for explaining the technical aspects. Dr. Neha Agrawal, Assistant Professor and Er. Sachin Garg, Assistant Professor were the main coordinators of this industrial visit. ○

SPECIAL LECTURE ON INVESTIGATIVE JOURNALISM IN BJMC BY RENOWNED JOURNALIST MR. VINEET NARAIN

It's always a great experience to listen and interact with stalwarts of the field. Students of Journalism and Mass Communication, MAIMS had the same experience when they got opportunity to listen Mr. Vineet Narain, known as the father of Investigative Journalism in India, Eminent Columnist, Author, Anti corruption activist and conservator of great Indian Heritage in their campus on 21st January, 2019. Mr. Narain, threw light on the Challenges of Investigative Journalism. He is the only journalist who dared to question the judiciary of our country. He shared his experiences with the budding journalists. While responding to the questions raised by students he said, 'Journalism should become the tool to bring attitudinal change in the country.' MATES trustee Sh. Ashok Kumar Gupta and Sh. Nimit Gupta, Sh. Rajneesh, Sh. Yogesh Jadon, Bureau Chief, Dainik Jagran, Mathura also graced the occasion. ○



ACTIVITIES IN THE LAW DEPARTMENT



1. Hindi Diwas was celebrated by the department on 14th September 2019. An essay competition was organised. The topic was “हमें अपनी सांस्कृतिक धरोहर पर गर्व है” Ms Mahak, Mr Teevra Mishra and Ms Neha Rathore were adjudged first, second and third prize winners respectively.
2. The department of Law MAIMS organised ‘Mock Trial’ for the students of BALLB fifth semester on 6th September 2019 in the Moot Court Hall. It was conducted by Advocate Kadam practicing in ROHINI court. He gave insightful and practical experience about proceedings and trials.
3. A debate was organised in GIBS (Gitaratan International Business School) on the topic ‘International Human Rights Are Paramount to Absolute State Sovereignty’ on Saturday, 14th September 2019. Ayush Tanwar of first year and Prachi Ahuja of Third year BALLB participated in the competition.
4. An in-house Freshers debate competition was organised by the Department of law on 25th September 2019 on the topic ‘Abolition of Death Penalty in India’. The team of Sheetal and Kumari Surabhi and Sheetal of First Semester secured first position.
5. A workshop for the students of BA LLB, Third year was conducted by Dr. Shaveta Gagneja, on 4th September 2019 on the topic ‘Gender Sensitization’. ○

PARICHAY 2019

We should see India from Indian perspective and this is how we will create great journalists was the core essence of Parichay 2019, orientation Program of new batch 2019 at Maharaja Agrasen Institute of management studies on 26th August, 2019.



Function started by giving condolence to Ms. Neelum Sharma (former Anchor DD), Arun Jaitley (Former Finance minister) and Sushma Sawraj (Former External minister) followed by lamp lighting. Orientation address was delivered by Dr. Nand Kishor Garg, Chancellor, Maharaja Agrasen University, Baddi Founder Chairman, MATES. He said that Journalism is a service to the nation and your biases should not play any role in true journalism. Shri Praful ketkar, Editor-in-chief, Organizer and Shri Ashok Srivastava, News anchor and Senior TV Journalist, DD news graced the occasion with their presence. It was great opportunity for Journalism aspirants to hear such enlightening words, which would help them in flourishing their further. Dr. Vinita Gupta (HOD, Department of Journalism and Mass Communication) urged students to spread their wings and explore the media industry. Mr. Praful Ketkar shared anecdotes of his reporting day and encouraged students to become voice of voiceless. A reporter should cover stories at grass root level and on field. Journalist should keep the interest of the nation. Its responsibility of journalist to report correct and authentic news further added by Mr. Ashok Srivastava. Chief guest Shri K.G. Suresh, senior journalist and former DG, IIMC warned students about internet where there is lots of information but little knowledge and how digital media is penetrating in our day to day activities. He advised budding journalist to check to information before disseminating any news which might be fake news. He also added that today's generation is of (AG) After Google and we are from (BG) Before Google. Prof. (Dr.) M. K. Bhat, Director MAIMS, M. L. Goel, Mr. Rajnish Gupta also blessed the students by their presence. ○

WORKSHOP ON MACHINE LEARNING



A Machine Learning Workshop was conducted on 6th September 2019 by ECE department under the aegis of IPML (Image Processing & Machine Learning) club. Google certified trainer Vikas Mittal an alumnus of DCE who has worked with American Express and other reputed companies and has the abundance experience of corporate sector training in the field of Artificial Intelligence was the main speaker in this workshop. Around seventy students participated in this workshop. Majority of the students were from ECE but a sizeable number of students from EEE, CSE and IT students also attended this workshop. This workshop turned out to be very vibrant, interactive and fruitful where fundamentals of artificial intelligence, machine learning, deep learning and their usefulness in the practical problems were discussed. Speakers also talked about the abundant job opportunities available in the AI field. After the session of the speakers the participating students were divided into five teams and were told to prepare



data acquisition plans of five real world problems. After a lot of brain storming amongst teams one member of each team presented their solution. The enthusiasm shown by the students indicates that we should go ahead with more of such events in future in this field. ○

Students of Electrical and Electronics Engineering participated and presented their innovation in 6th International Exhibition and Conference GRIDTECH-2019 from 3rd to 5th April 2019 at ITPO, Pragati Maidan, New Delhi.



STUDENTS OF MAIT ROCKS IN ITALY

Students of MAIT, Rituka Patwal, IT Final Year and Piyush Aggarwal, CSE Final Year participated in Google Summer of Code this year as mentees, working on their respective projects under KDE organisation, an open community of friendly people who want to create a world in which everyone has control over their digital life and enjoys freedom and privacy.

Getting selected for Google Summer of Code is a daunting process and can take well over a month just to finalize an organisation. Rituka and Piyush searched for organizations that do development in their respective field of interest. That is when they came across KDE, joined the organisation chat groups and channels, and after a couple weeks of discussions, selected projects which interested them. They consequently joined the development channels for their specific projects to get in the loop with the latest developments and to find easy contribution tasks for a beginner.

They reached out to the developers in the community, volunteered to work on bug-fixes and features from November. **The developers and community members are very helpful if the person “does her/his homework” on the problem.** C++ Development was a new experience for them, but they did not let conventions and heavy nomenclature intimidate them. No matter how hard the tasks were, they worked harder to complete them. This not only gave them an edge over other potential students who swoop in later, but also gave them a good work experience with the project team itself. After some time they were recognised by their respective mentors. But just when things were finally shaping up, they encountered another boulder in their own respective paths with just 15 days left for the application window.

Rituka Patwal’s potential GSoC project suddenly became irrelevant in lieu of another open-source project that finally bore fruit. She did not let this derail her plans. Her past



communications over the team channel came in hand, as she quickly started her research on an even better project with the team and kept corresponding with her mentor for the same.

On the other hand, Piyush Aggarwal suddenly had competition for the GSoC project, as another highly promising student from France starting making PoC (Proof of Concepts) to get selected. He did not get intimidated by this, and kept contributing at his pace.

These students didn’t succumb to these problems. They worked even harder to prove themselves. They submitted proposals on their projects of interest for review by their respective mentors and other KDE developers. Furthermore, many non-technical members from the community helped them polish their proposals. Finally, when the results of selected GSoC students were announced, both of these students got selected for the program. Their hard work paid off.

During the 3 months program they worked 40 hours every week. They each earned a total of INR 2 lakhs as stipends in three installments. To handle such a large amount





of money they also learnt how to invest the money smartly. After three months of the coding period, the results of the Google Summer of Code'19 were announced on September 03, 2019. During their time as mentees, they wrote documentation and blogs about their work, discussed the project and made remote friends more than discussing whether to use linked lists or any custom data structure. They learned a lot more about being part of a community than coding.

This was further solidified when Rituka and Piyush were invited by the KDE Community to attend the 2019 edition of Akademy, the annual world summit of KDE, in Milan, Italy.

It was completely sponsored by KDE e.V. They presented their work on the first day of the conference of all KDE Developers. During the event they met their mentors and other developers of their teams. With them they discussed the future of their projects and ways to expand them. They sat together with senior developers and worked on bug fixes. This trip was not just about work but to communicate and form bonds with all the members off KDE community. KDE even sponsored a day trip to Lake Como.

Rituka and Piyush learnt a lot from this journey of GSoC and trip to Akademy. They not only improved their technical skills but also their financial and communication skills. ○

WORKSHOP ON IOT

Techtronix, the official society, ECE Department organized a workshop on 6th September 2019 on Internet of Things using Python & Raspberry Pi. The workshop was conducted in collaboration with Sofcon India private limited. The speaker in the workshop was Mr. Lalitesh Kumar Singh (Branch Manager), having 10 years of experience in Projects, Training & Management based on Automation Industries and Mr. Archit Sahu (Embedded Engineer), having 3 years of Experience in Software Development, Training, Firmware, IOT, Hardware development for various applications. Around fifty students participated in this workshop. Majority of the students were from ECE 3rd year. This workshop turned out to be very vibrant, interactive and fruitful highlighting working with Raspberry Pi basics and its working. Speakers also talked about the abundant job opportunities available in the IOT field. In the second session, the participating students were divided into four teams and were told to make some small projects for GPIO programming. The workshop was very useful for the students to brush up their skills & to get hands on experience on Raspberry Pi .Overall it was a great learning experience. The enthusiasm shown by the students indicates that we should organize more events in future in this field. ○



EDUCATIONAL TRIP TO THE ENERGY AND RESOURCES INSTITUTE

An educational trip to The Energy and Resources Institute (TERI), Gurugram was organized on 23rd August, 2019 for students and faculty members of Mechanical and Automation Engineering Department. 27 students accompanied with 9 faculty members of MAE Dept. attended the same. The genesis of TERI's research activities in the fields of energy, environment, and sustainable development lies in its firm belief that efficient utilization of energy, sustainable use of natural resources, large-scale adoption of renewable energy technologies, and reduction of all forms of waste would move the process of development towards the goal of sustainability. TERI has been doing research in the areas of energy, environment and climate change issues. It has dedicated itself to the task of creating an informed group of students who will become the leaders of tomorrow and for whom environmental and sustainability issues will become a part of their daily lives.



The students got excited and curious after reaching at same. The students were first taken to the conference hall where they were guided about the different activities of TERI. Mr. Suresh Dev gave presentation related to the history of TERI and its operations and research projects to the students. Students were taken around the whole campus and were explained about the different projects. Then students were taken around various divisions and explained about the various activities in each division.

FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME @MAIT

One week Faculty Development Programme, jointly organized by EEE & MAE Departments, was held from 13/May/2019 to 18/May/2019 on the topic "Modern Trends in Renewable Energy Sources" in the MAIT campus. The theme of the present faculty development program was on modern trends in the field renewable energy sources. This program brought a positive transformation among the faculty members towards research work and enabled the participants to develop competence in understanding the recent advances in the field of renewable energy systems. Total 32 faculty members of MAE Dept., 23 faculty members of EEE Dept. and 9 members from other institutes attended the same. It was well-organized and nicely coordinated programme and all the faculty members of both the Departments were benefitted from the FDP.

The FDP started at 10 AM on 13th May after a brief introduction of the programme, followed by two impressive lectures by Prof. Purna Gaur from NSUT, Delhi and Prof. D.K. Jain from DCRUST, Murthal. The next day was marked by the presentation of Dr. J.P. Kesari from DTU, Delhi followed by mesmerizing lecture of Prof. Amit Pal from DTU,

Delhi. On 15th May, Dr. Pankaj Gupta from IGDTUW, Delhi delivered a lecture on various aspects of renewable energy and afternoon session was taken by Prof. Z.A. Jaffery from Jamia Millia Islamia, Delhi. Dr. R.K. Yadav from Pragati Power Corporation, Delhi delivered lecture on Energy audit and Conservation in Indian Industries in the morning session of 16th May; whereas the afternoon session was conducted by Prof. V.K. Jain, MAIT, Delhi.

On 17th May, an industrial visit to NPTI, Faridabad, was conducted where Sh. Mahender Singh addressed the faculty members followed by exposure to Simulator. The programme was concluded in best possible way by informative delivery by Dr. Rajveer Mittal, HOD, EEE and Dr. V.N. Mathur, HOD, MAE. The faculty of both Departments are grateful to the management of MAIT, Founder & Chief Advisor Dr. Nand Kishore Garg, Chairman Shri Prem Sagar Goel, Vice Chairman (academics) Dr. M.L. Goyal, Director Mrs. Neelam Sharma, Dy. Director Dr. V.K. Jain and Dean Dr. S.S. Deswal for their continuous guidance & support in organizing Faculty Development Programmers like this one.

WORKSHOP ON 'BUILDING INFORMATION MODELING FOR HVAC'



ASHRAE Student Chapter MAIT, Mechanical and Automation Engineering Department, organized one day workshop on 'Building Information Modeling for HVAC' on 16-October-2019 under the guidance of Dr. Vaibhav Jain. The workshop is organized in association with Capricot Technologies Pvt. Ltd., MEPA2Z, AutoDesk and ASHRAE India Chapter. Total 40 students and 6 faculty members participated in the same. Building Information Modeling (BIM) is a digital process that begins with the creation of an intelligent building 3D model and enables better decision support system throughout project lifecycle from plan, design,

engineering, build, operation and maintenance.

BIM is used to design & model every discipline of a building. The model can be used to explore design options and to create visualizations that help stakeholders understand what the building will look like before it's built. The same model can be then used for various analysis & simulation to optimize building performance. The model is then

used to generate the design documentation for construction.

BIM not only allows design and construction teams to work more efficiently, but it allows them to capture the data they create during the process to benefit operations and maintenance activities.

BIM data can also inform planning and resourcing on the project, city or country level. This is why BIM mandates are increasing across the globe.

The workshop is designed to spread awareness of BIM and its use and importance in the HVAC industry.

HULT PRIZE 2020

HULT PRIZE 2020 is organized at MAIT, Delhi on 21/Oct/19 under the guidance of Dr. Vaibhav Jain, Ms. Sonal Khurana and Mr. Hemant Tulsani. Total 12 teams (from MAIT) and 15 teams (from GGSIPU) participated in the same. Each team consists of 3-4 members.

Challenge of the event: Building a start up that will reach Million consumers in upcoming decade and also has a net impact on Environment that will lead to Reduce in Green House Emissions and Climate Change.



Winner GGSIPU:
Team Enactus from BVCOE

Idea: Using hydroponics, a method of growing plants in a water based solution which is rich in nutrients, to create two upshots of Aranyani- the verdant photo frame and the vertical garden setup.

Winner MAIT: Team Atmogreen, (MAE+EEE students)

Idea: Using the piston effect of Metro trains in a tunnel to generate power, which can be utilized by consumers in numerous ways.





उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति
कार्याणि न मनोरथैः

NATIONAL SEMINAR ON "ENERGY ENVIRONMENT AND SUSTAINABILITY"

Department of Mechanical and Automation Engineering, Maharaja Agrasen Institute of Technology organized a three day National Seminar on "Energy Environment and Sustainability" from 22nd August, 2019 to 24th August, 2019. The beginning of the seminar was marked by lighting the lamp.

Dr. Nand Kishore Garg, Founder and Chief Advisor, MATES inaugurated the seminar and gave a motivational speech on the necessity of power generation by using renewable energy resources. He mentioned that finding renewable energy resources is very important for the growth of Nation. Prof. (Dr.) V.K. Jain, Deputy Director, Prof. (Dr.) M. L. Goyal, Vice Chairman (Academics) and Prof. (Dr.) Neelam Sharma, Director, MAIT welcomed the speakers and the other dignitaries with a welcome note. Dr. Vaibhav Jain, Organizing Secretary of National Seminar, expressed the gratitude to the Director Prof. (Dr.) Neelam Sharma for taking efforts to make this National level seminar possible. The seminar was concluded on the third day i.e. 24th August, 2019 by Vote of thanks by Prof. (Dr.) V.N. Mathur, Chairperson of National Seminar. The seminar was attended by 325 participants which include students, research scholars and faculty members of different institutes.

Dr. Suresh Chand, Sr. Scientist, Head-Organic and Hybrid solar cell group, CSIR-National Physical Laboratory, Delhi was the speaker of the first technical session. He is an internationally renowned scientist in the field of Organic Photovoltaics (OPVs). He is recipient of the "NPL Outstanding Photovoltaics Scientist Award" for the year 2007-2008 for his significant S & T contributions in the area of

organic. Dr. Suresh Chand discussed the recent innovations done in the field of Organic Photovoltaics at CSIR-NPL.

In the second technical session, Prof. R. K. Kotnala, Raja Ramanna fellow (DAE) CSIR-NPL, Delhi, delivered a lecture on Prospects of Green Energy with Hydroelectric Cell and its Applications.

In the third technical session, Dr. R. K. Yadav, Additional General Manager, Commercial and Energy Efficiency, PPCL and IPGCL, presented the talk on policies for energy security. He discussed Energy, Issues and Policies elaborately.

The last lecture was delivered by Prof. (Dr.) Anjan Ray, I.I.T., Delhi. Prof. Ray presented the beautiful talk on recent developments done in the field of combustion technology for sustainable energy systems at I.I.T., Delhi.

The second day consisted of a visit to TERI (The Energy and Resources Institute), Gurugram. The participants were shown a power point presentation on the history of TERI. This was followed by visiting the TERI Retreat building which has become a model of sustainable habitat. The participants were also taken to Biomass Gasifier Plant, the Waste Water Recycling plant and the underground Earth Tunnel where they were shown how the habitat can be conserved using natural resources.

The third day started with a technical session by Dr. Kanchan Mudgil, M.A.I.T, Delhi. She discussed various issues related to the roof top grid connected photovoltaic plant. It was followed by vote of thanks given by Prof. (Dr.) V. N. Mathur, Chairperson of event. He summarized all the sessions and TERI visit. ○

MATES CELEBRATES HOLI

The festival of colors was celebrated with great fervor and zeal in the premises of Maharaja Agrasen Institute of Technology. The programme started on a solemn note and two minutes silence was observed to pay homage to Shri Manohar Parrikar. On this auspicious occasion, Founder Chairman of Maharaja Agrasen Technical Education Society Dr. Nand Kishore Garg laid the emphasis on universal brotherhood and bonhomie for the creation of a peaceful and harmonious society. In his address, he encouraged the audience to rise above the petty issues of class and caste to spread the color of patriotism in every corner of this country. In his speech, he paid a tribute to the supreme sacrifice of our soldiers in safe guarding our borders. While addressing the audience, Shri Jagdish Mittal, Senior Vice Chairman of Maharaja Agrasen Technical Education Society, gave the message of overpowering evil with the goodness of our character as a mark of true celebration of holi. Prof. Neelam Sharma, director MAIT, shared the significance of the age old stories in upholding the traditional fabric of our society. Prof. M.K. Bhatt, director MAIMS, encouraged the audience to choose the colors of their lives and commitment carefully.

The auditorium was beautifully decorated and the spirit of colors was vibrantly displayed through flowers of spring season. The function witnessed colorful performances, devotional bhajans, musical renditions and poetry recitation by the talented staff of MAIT and MAIMS. The function was duly attended by Shri T.R. Garg, Shri. Umesh Mittal, Shri Gyanendra Shrivastava.... ○

FAREWELL TO 2015-19 BATCH



On 3rd June 2019, Maharaja Agrasen Institute of Technology, Rohini, Delhi bid a fond farewell to the departing IV year students of 2015-19 batch with great enthusiasm. The day was a fiesta devoted to the years spent together with friends and teachers to recollect exuberant moments.

As perceived by most of us transition is not necessarily a jolting and painful experience. At certain stages of our life transition from one phase to another becomes an absolute Necessity. On this occasion of Students' farewell, Prof. Neelam Sharma, Director, MAIT reiterated this. Further she said that this is an index of the students' development and a logical movement. MAIT must have been a tiny bracket of time to behold and cherish in their respective lives. Prof Neelam Sharma appreciated the batch for its efforts for enthusiastically participating in varied competitions and raising the bar of perfection.

The highlight of the function was the beautiful cultural presentation. The students of III year put forth a mix of scintillating dance performances, melodious songs and pulsating music that rocked the auditorium.

Dr Nand Kishore Garg, founder chairman, Maharaja Agrasen technical Education Society gave blessings and benedictions to the IV year students for their bright future. He asked them to remember the mantra of 'service before self'. He said that students should contribute in the development of nation. His speech can be beautifully rhymed through the following poem:

देश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें
 औरों का भी हित हो जिसमें, हम ऐसा कुछ करना सीखें
 जो अनपढ़ हैं उन्हें पढ़ाएँ, जो चुप हैं उनको वाणी दें।
 पिछड़ गए जो उन्हें बढ़ाएँ, समरसता का भाव जगा दें।

हम मेहनत के दीप जलाकर, नया उजाला करना सीखें

In this manner, he inspired them to do good to the nation.

Sh Prem Sagar Goel, Chairman, MATES wished them luck to make a mark in the world outside, carrying forth the institute's motto:

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥

He urged them to work hard in their professional life so that they may do justice to their work, organization they work in, and overall to the nation.

Prof M L Goyal, Vice Chairman, Academics asked a question from Ramcharitmanas to audience. U.K jha from EEE dept won the quiz for rs 2100. One student also won the quiz and got 2100 rs.

Sh Rajneesh Gupta, Sh S C Tayal, Dr V K Jain, Dr S SDeswal and all the Hods were present among the audience.

Dr Rajveer Mittal, HoD, Dept of EEE, gave vote of thanks. He praised the students for their beautiful cultural presentation.

Many students were seen clicking pictures of friends and teachers- capturing memories of college forever.

Thus ended a beautiful program marked with both happiness and sorrow.



TEACHER'S DAY



Thank a teacher for making students and society knowledgeable!

As in previous years, the Teachers' Day Function at Maharaja Agrasen Institute of Technology, (MAIT) Rohini, Delhi celebrated on September 5, 2019, with the usual pomp and show, and the customary zeal. It was a treat to watch the cultural programme presented by students. It was celebrated amidst great vibrancy and elation under the guidance of Prof. (DR.) Neelam Sharma, Director MAIT.

The function was graced by the esteemed Chief Guest - Dr B.P. Sharma, Vice-Chancellor, Gautam Buddha University, Greater Noida, along with Dr Nand Kishore Garg, Founder Chairman, Maharaja Agrasen Technical Education Society (MATES), Shri Prem Sagar Goel, Chairman MATES and other worthy Trustees.

After the arrival of Chief Guest, the lighting of the ceremonial lamp took place, followed by Saraswati Vandana and cultural programme. The cultural performance was followed by honouring the teachers. Ten teachers were bestowed with Long Service Award, and some other teachers were given Certificates for their contribution in the research field. Cash Prize was given to Dr Basant Kumar and Dr Monika Agrawal, Dept. of Applied Physics for writing a textbook for B.Tech. Ist year students. The teachers who completed their PhD were also honoured. The teachers further assured the management of the institute that they would leave no stone unturned to take the institute to the greater heights in the future too. The awardees were



encouraged by a huge round of applause.

Few other professionals touch as many people as teachers do," notes Dr Nand Kishore Garg, founder chairman of Maharaja Agrasen Technical Education Society. Teachers' Day is an excellent time to learn about the contributions educators make to our community every day. They are role models. It brings responsibility.

"I believe we all have to work together to make our institutions even better," said Sh. Prem Sagar Goel, Chairman MATES. Academic institutions are at the heart of any community. When there are problems, we address them. When there are kudos, we share them.

"Community involvement brings learning to life," Dr B.P. Sharma, the chief guest of the function said. "This is an opportunity for all of us to reach out to each other. I ask the community to learn about how we advocate for high standards for students, fair and meaningful evaluations of their work, and resources that go directly to the classroom. ○

ANNUAL STUDENT CONVENTION 2019



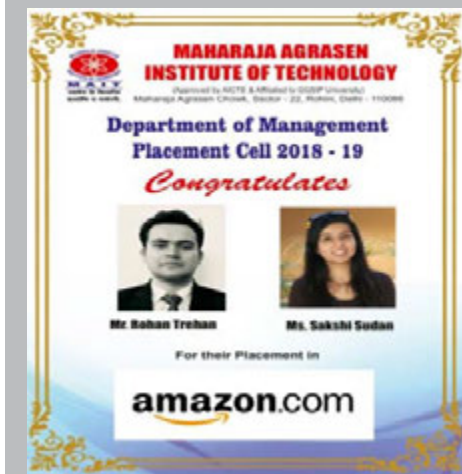
A 3 day ISTE Annual Student Convention Delhi section on "Emerging Career Trends for Modern Day Engineers" was successfully organized by Electronics and Communication Engineering Department Maharaja Agrasen Institute of Technology Delhi from 3rd Oct. 2019 to 5th Oct. 2019. The prime objective of the programme was to ensure the overall development of students in the field of Engineering & Technology. There were knowledgeable sessions from varied expertise during the programme. Mr.Vinod Kumar Datusliya working with Made Easy interacted with the students on the future scope and opportunities that they'll be getting after clearing GATE. It was then followed by a lecture of Mr.Rohit Jain, Assistant Director General in Deptt. Of Telecommunications, New Delhi in which he shared his experiences while working in public

sector.Mr.Sandeep Gupta from 3ST Technologies having 20 years of industrial experience in VLSI domain had an enriching session with the students. An AI, ML and Python expert Mr. Rahul Pathak, IOT expert Mr. Sanjay Singh and Mr.Sumesh Unni, a renowned name in GRE, GMAT had elaborate sessions with the students who gave a deep insight into how the students can tune themselves to the right direction. Ms.MeghaSaxena, Admissions Manager at Manya having a rich and diverse experience as a Study Abroad Consultant counseled the students on how they can secure admissions in top-tier universities of USA, UK, Europe and India. Dr. N. K Gupta, Chairman ISTE, Delhi Section and Head, Parliamentary affairs, NSDC graced the occasion by their very presence. The programme ended with the felicitation ceremony in which certificates of participation were distributed to the students. Needless to say, Annual Student Convention had a profound impact on the students.

Dr. Nitin Sharma, Assistant Professor, ECE Department, was the course coordinator for this program. He conducted this course with the help of Prof. Neelam Sharma, Director MAIT, Prof. Sunil Kumar, HOD, ECE Department MAIT, Dr. Divya Goyal, Ms.Stuti Co coordinator for the program..

The annual convention 2019 received an overwhelming response with 360 participants from students of MAIT. ○

PROMINENT PLACEMENTS



INDUSTRIAL VISIT TO SEMICONDUCTOR LABORATORY (SCL), MOHALI

An Industrial visit was organised for the students of Electronics and Communication Department on 16th October, 2019 to Semiconductor Laboratory, Mohali.

The visit was organised under the able guidance of Prof. Neelam Sharma- Director MAIT, Prof Sunil Kumar - HOD ECE and the faculty Mr. S.K.Kundu, Dr. Nitin Sharma, Dr. Praween Kumar, Dr. Divya Goyal and Ms. Anamika Jain. It was an intensely informative and enriching educational visit to the Semiconductor Laboratory at the Space Centre, ISRO at Mohali. At SCL, everyone was guided to a seminar hall wherein an enthralling interactive session with a senior scientist was conducted. The session turned out to be absolutely fun as well as a journey through the field of semiconductor devices -their importance in modern day scenario, their fabrication, their packaging their role in space explorations etc. The session was followed by a brisk question answer round. Post lunch, everyone was again guided to the seminar hall for an in depth presentation on VLSI Designing, packaging etc. The technical officers explained the entire process from RTL to wafer fabrication, from photolithography to implantation and finally from testing to packaging. After this mind-boggling session, everyone was taken for a visit to the laboratories, under the guidance of Mr. Abhishek Madan (Alumni -MAIT). Class 1000 purity of environment was maintained in and around the laboratories. After stringent checks, all were guided to the labs and were shown the working of devices, taking care so

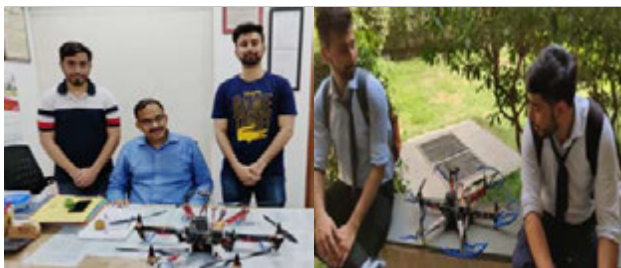


as not to disturb the ongoing processes. The group was shown the ionisation lab and diffusion/growth lab of 6 inch wafer. Some students also got the opportunity of visiting the furnace labs, chip layout lab etc. , wearing proper protective and contamination-free white suits, gloves, head-covers etc. This visit was immediately followed by a tea break and a brainstorming session. Following this, the lab visit was resumed again, but this time it was a visit to the packaging department. Everyone was spellbound to see the ICs being packaged and tested in reality. Senior officials from the department helped the students to understand the entire process and showed them ceramic ICs of various sizes, shapes and functionalities. With this, the visit to the Semi-conductor Laboratory (SCL) concluded. It was an educative and fruitful visit, with immense exposure to the real world techniques and ongoing industrial research work benefitting the students of ECE Department.

INTER-COLLEGE MAJOR PROJECT COMPETITION

Every year an Inter-College Major Project Competition is organized by GGSIP University and this year “AI powered Surveillance Drone” developed by students of ECE department, Sparsh Wadhwa and Tushar Gusain under the guidance of Mr. Hemant Tulsani won second place in this competition.

The competition was hosted by HMR Institute of Technology & Management, Delhi on 4th of June and more than 30 teams participated in this competition from different colleges.



First position was secured by Dr. Akhilesh Das Gupta Institute of Technology & Management and third by HMR Institute of Technology & Management

CONGRATULATIONS



Lakshay Singhal, Dept of MAE (2012-16 Batch) was honoured on Nav Samvat 2019 celebration at MAIT for securing 38th Rank in UPSC Civil Services Exam 2018.

**Vishal Singh, BBA (B & I)
Batch 2013-2016, MAIMS
secured 242 rank in
UPSC civil services exam 2018.**



GOLD MEDALIST & EXEMPLARY PERFORMANCE IN GGSIPU EXAMINATION

GOLD MEDAL, YEAR 2017



Ms. Vasudha Pareek, B. Tech (EEE) 2013-17

EXEMPLARY PERFORMANCE, YEAR 2018



Ms. Khushboo Gulati MBA 2015-17

Gold MADEL, YEAR 2018



Ms. Anamika Rohatgi, B. Tech (ECE) 2014-18



Yash Agarwal BBA, MAIMS

GOLD MEDAL, YEAR 2019



Mr. Tajinder Singh, B. Tech (MAE) 2015-19



Ms. Bhavya Monga, MBA 2017-19

This is indeed a great achievement of MAIT & MAIMS. Congratulations to the student for their excellent performance. I wish them goodluck for their future endeavours.-Prof. Neelam Sharma, Director, MAIT



TOP 20 RANKING OF MAIT STUDENTS IN GGSIP UNIVERSITY (2018-19)

GGSIU EXAM RESULT - B.TECH- 1ST + 2ND SEMESTER (BATCH: 2018)

Rank in GGSIPU	Rank in MAIT	Branch	Roll no./Name	T.CS 54	ΣCG	CGPA	Commulative % AGE	Commulative ΣCM
1	1	CSE	07514802718 PARCHAM GUPTA	54	526	9.74	97.4	4945
4	2	CSE	43514802718 SANJAY MAJHI	54	512	9.48	94.8	4823
6	3	CSE	09914802718 SIDDHARTH SETH	54	509	9.43	94.3	4718
9	4	CSE	05014802718 ISHIKA	54	506	9.37	93.7	4747
11	5	CSE	42414802718 PAVITRA WALIA	54	504	9.33	93.3	4666
13	6	CSE	08214802718 RISHABH SHARMA	54	503	9.31	93.1	4725
14	7	CSE	40914802718 GARIMAARORA	54	502	9.3	93	4711
15	8	CSE	02814802718 DEEKSHA MADAN	54	502	9.3	93	4690
2	1	IT	04114803118 KSHEM SHARMA	54	508	9.41	94.1	4713
4	2	IT	03614803118 ISHAAN GARG	54	500	9.26	92.6	4659
5	3	IT	42414803118 TANUSHREE GHAI	54	500	9.26	92.6	4578
13	4	IT	04214803118 KSHITIJ KATIYAR	54	494	9.15	91.5	4546
18	5	IT	42914803118 HIMANSHU ATTRI	54	492	9.11	91.1	4428
20	6	IT	06114803118 PRANAY SINGHAL	54	490	9.07	90.7	4409
3	1	ECE	43014802818 TANNU SHARMA	54	503	9.31	93.1	4637
7	2	ECE	44014802818 AAKASH GARG	54	500	9.26	92.6	4643
9	3	ECE	41714802818 HARSHIT GARG	54	500	9.26	92.6	4586
11	4	ECE	03114802818 HIMANSHU GOYAL	54	497	9.2	92	4603
19	5	ECE	75114802818 MUKAL BAKSHI	54	492	9.11	91.1	4613
7	1	EEE	41314804918 SHRUTI GOYAL	54	497	9.2	92	4589
8	2	EEE	00514804918 ADITI SOOD	54	496	9.19	91.9	4470
10	3	EEE	04114804918 HRITIK MITTAL	54	487	9.02	90.2	4443
15	4	EEE	04514804918 KOMAL RAJPUT	54	481	8.91	89.1	4315
17	5	EEE	10914804918 YATHARTH KATHURIA	54	480	8.89	88.9	4381
1	1	MAE	03714803618 HARDIK SANGHI	54	512	9.48	94.8	4803
5	2	MAE	05514803618 MAYANK CHAUBE	54	477	8.83	88.3	4310
6	3	MAE	43014803618 CHAHAT	54	471	8.72	87.2	4224
8	4	MAE	44614803618 ANUPKUMAR	54	469	8.69	86.9	4229
13	5	MAE	40414803618 SOMPRABHAT	54	465	8.61	86.1	4165
14	6	MAE	09814803618 TANYA GUPTA	54	463	8.57	85.7	4186
17	7	MAE	04914803618 KUNAL GOEL	54	454	8.41	84.1	4042
19	8	MAE	05714803618 MOHD MASOOD	54	451	8.35	83.5	4002
20	9	MAE	42414803618 AMAN	54	451	8.35	83.5	3953



उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति
कार्याणि न मनोरथैः

OUR ACHIEVERS

TOP 20 RANKING OF MAIT STUDENTS IN GGSIPU UNIVERSITY (2018-19)

GGSIU EXAM RESULT - B.TECH- 3RD + 4TH SEMESTER (BATCH: 2017)

Rank in GGSIPU	Rank in MAIT	Branch	Roll no./Name	T.CS 54	ΣCG	CGPA	Commulative % AGE	Commulative ΣCM
1	1	CSE	45814802717 SIDDHANT GUPTA	57	559	9.81	98.1	5308
9	2	CSE	43714802717 KETAN JUNEJA	57	543	9.53	95.3	5165
19	3	CSE	20114802717 MILITYAGI	57	540	9.47	94.7	5196
1	1	IT	04314803117 TANIA JOSEPH	57	553	9.7	97	5312
2	2	IT-II	20196403117 TUSHAR GOYAL	57	551	9.67	96.7	5271
12	3	IT	20214803117 MANSI SAXENA	57	537	9.42	94.2	5067
14	4	IT-II	00396403117 DIVY MOHAN RAI	57	536	9.4	94	5067
19	5	IT	20114803117 NEERAJ SHARMA	57	533	9.35	93.5	4991
10	1	ECE	45014802817 PRANJAL GUPTA	57	542	9.51	95.1	5056
3	1	EEE	04914804917 SHIVANI	57	528	9.26	92.6	4859
17	2	EEE	00314807818 ASHUTOSH KUMAR HAPPY	57	512	8.98	89.8	4633
2	1	MAE-II	42596403617 SATWICK MISHRA	55	511	9.29	92.9	4765
5	2	MAE-II	01396403617 HIMANSHU TANWAR	55	508	9.24	92.4	4668
11	3	MAE	02114803617 HARSHA	55	501	9.11	91.1	4599
12	4	MAE	00614807418 SHIVAM WAHI	55	499	9.07	90.7	4621
16	5	MAE	35714803617 PRAKHAR RUSTAGI	55	496	9.02	90.2	4582
18	6	MAE-II	00196403617 ABHISHEK KUMAR	55	494	8.98	89.8	4544

GGSIU EXAM RESULT - B.TECH- 5TH + 6TH SEMESTER (BATCH: 2016)

Rank in GGSIPU	Rank in MAIT	Branch	Roll no./Name	T.CS 54	ΣCG	CGPA	Commulative % AGE	Commulative ΣCM
4	1	CSE	20314802716 PRERNA JAIN	53	502	9.47	94.7	4689
5	2	CSE	36214802716 SAKSHI BINDAL	53	502	9.47	94.7	4682
9	1	IT	03014803116 KRITI CHOPRA	53	493	9.3	93	4583
19	2	IT	01314803116 BIPIN KALRA	53	486	9.17	91.7	4569
5	1	EEE	03314804916 MAYUR	54	496	9.19	91.9	4558
12	2	EEE	05214804916 REEVADHARIWAL	54	486	9	90	4456
19	3	EEE	36114804916 SUKRIT JAIN	54	482	8.93	89.3	4391
5	1	MAE-II	02396403616 SAURAV CHAUDHARY	54	492	9.11	91.1	4430
9	2	MAE-II	01496403616 NIKHIL KUMAR SINGH	54	483	8.94	89.4	4362
11	3	MAE	41614803616 SUMIT	54	480	8.89	88.9	4387
13	4	MAE-II	00196403616 ANANT SINGHAL	54	480	8.89	88.9	4296
19	5	MAE	02214803616 DIVYAM RAJ	54	473	8.76	87.6	4337

November 19

34

नवम्बर 19

AGRANI SAMKALP

अग्रणी संकल्प

In a gentle way, you can shake the world.



TOP 20 RANKING OF MAIT STUDENTS IN GGSIP UNIVERSITY (2018-19)

GGSSIPU EXAM RESULT - B.TECH- 7TH + 8TH SEMESTER (BATCH: 2015)

Rank in GGSIPU	Rank in MAIT	Branch	Roll no./Name	T.CS 54	ΣCG	CGPA	Commulative % AGE	Commulative ΣCM
5	1	CSE	60614802715 CHIRANJEEV SINGH BINDRA	50	479	9.58	95.8	4487
18	2	CSE	06914802715 PRABHNOOR SINGH	50	471	9.42	94.2	4385
15	1	IT	00114803115 AAYNAAGGARWAL	50	475	9.5	95	4502
8	1	EEE	06314804915 SATYAM GUPTA	49	463	9.45	94.5	4205
12	2	EEE	01114807816 SRISHTI SINHA	49	461	9.41	94.1	4224
13	3	EEE	06614804915 SHASHANK SHARMA	49	460	9.39	93.9	4293
17	4	EEE-II	40196407816 ASHUTOSH KUMAR	49	459	9.37	93.7	4142
1	1	MAE-II	04196403615 TAJINDER SINGH	51	492	9.65	96.5	4667
3	2	MAE	07214803615 SUJATA	51	488	9.57	95.7	4535
5	3	MAE	35214803615 AKSHAT JAIN	51	484	9.49	94.9	4383
8	4	MAE	04114803615 MUDIT SHUKLA	51	479	9.39	93.9	4443
11	5	MAE	60614803615 SHUBHAM BANSAL	51	477	9.35	93.5	4345
14	6	MAE-II	40496403615 MOHIT KAPOOR	51	474	9.29	92.9	4399
15	7	MAE	41414803615 SIDHARTH BENIWAL	51	474	9.29	92.9	4295

COMMULATIVE RANKING OF MAIT STUDENTS IN GGSIP UNIVERSITY (2018-19)

GGSSIPU EXAM RESULT - B.TECH- 1st to 8th SEMESTER (BATCH: 2015)

Rank in GGSIPU	Rank in MAIT	Branch	Roll no./Name	T.CS 54	ΣCG	CGPA	Commulative % AGE	Commulative ΣCM
1	1	MAE-II	04196403615 TAJINDER SINGH 214	2004	9.36	93.6	18597	

TOP 20 RANKING OF MAIT STUDENTS IN GGSIP UNIVERSITY (2018-19)

GGSSIPU EXAM RESULT - MBA-1st + 2nd SEMESTER (BATCH: 2018)

Rank in GGSIPU	Rank in MAIT	Branch	Roll no./Name	T.CS 54	ΣCG	CGPA	Commulative % AGE	Commulative ΣCM
1	1	MBA	01314803918 ANISHAAGGARWAL 60	566	9.43	94.3	5165	
2	2	MBA	11714803918 SHRUTI GOEL 60	560	9.33	93.3	5139	
5	3	MBA	11114803918 SHIVAM GARG 60	551	9.18	91.8	5016	
8	4	MBA	02114803918 APOORVA GUPTA 60	549	9.15	91.5	4920	
10	5	MBA	02214803918 ASHWANI KADYAN 60	546	9.1	91	5039	
11	6	MBA	14114803918 VRINDAAGGARWAL 60	545	9.08	90.8	5014	
12	7	MBA	10814803918 SHEKHAR SINGH 60	545	9.08	90.8	4917	
14	8	MBA	42014803918 NIHARIKA JULKA 60	540	9	90	4897	
16	9	MBA	07114803918 NIPUN SONI 60 538	8.97	89.7	4897		
17	10	MBA	06114803918 MANYA GUPTA 60	537	8.95	89.5	4990	
20	11	MBA	02814803918 BHAVYA KHANNA 60	536	8.93	89.3	4904	

TOP 20 RANKING OF MAIT STUDENTS IN GGSIP UNIVERSITY (2018-19)

GGSSIPU EXAM RESULT -MBA-3RD +4TH SEMESTER (BATCH: 2017)

Rank in GGSIPU	Rank in MAIT	Branch	Roll no./Name	T.CS 54	ΣCG	CGPA	Commulative % AGE	Commulative ΣCM
1	1	MBA	04314803917 MEENAKSHIM	60	565	9.42	94.2	5313
4	2	MBA	02014803917 BHAVYAMONGA	60	558	9.3	93	5217
5	3	MBA	01014803917 ANJALI CHATURVEDI	60	557	9.28	92.8	5106
6	4	MBA	50114803917 GUNJAN	60	556	9.27	92.7	5258
12	5	MBA	01914803917 BABY TWINKLE	60	549	9.15	91.5	5095
16	6	MBA	40614803917 PALAK GUPTA	60	547	9.12	91.2	5021
19	7	MBA	07214803917 SIMRAN KAUR MATTA	60	546	9.1	91	5057

GGSSIPU EXAM RESULT - MBA- 1st to 4th SEMESTER (BATCH: 2017)

Rank in GGSIPU	Rank in MAIT	Branch	Roll no./Name	T.CS 54	ΣCG	CGPA	Commulative % AGE	Commulative ΣCM
1	1	MBA	02014803917 BHAVYAMONGA	120	1111	9.26	92.6	10312
3	2	MBA	04314803917 MEENAKSHIM	120	1101	9.18	91.8	10313

Congratulations to MAIT achievers Placement (2016-2020 Batch)



Swati Singh-CSE
Package offered – 43LPA (CTC)
Microsoft



Aman Kumar-CSE
Package offered – 43LPA (CTC)
Microsoft



Sanket Singh-CSE
Package offered – 30.8LPA (CTC)
InterviewBit



Harshita Jain-CSE
Package offered - 8LPA (CTC)
AttachingIT-en



Anand Kr. Rai-CSE
Package offered - 8LPA (CTC)
Infosys



Harshit Singhal-CSE
Package offered - 8LPA (CTC)
Infosys



Neeraj Joshi-CSE
Package offered - 8LPA (CTC)
Infosys



Vasu Singhal-CSE
Package offered - 8LPA (CTC)
Infosys



Vipin Bhardwaj-CSE
Package offered - 8LPA (CTC)
Infosys



Prateek Sawhney-IT
Package offered - 5LPA (CTC)
Infosys

- Kavita Tejwani and Kshitij Gupta, Dept. MBA bagged First position at INQUIZITIVE , the management quiz held at RDIAS.



OUR ACHIEVERS

Dept. of ECE

Prof. R.S.Gupta

1. Prof. R.S.Gupta was member of Organizing Committee of "1st International Conference on Signal Processing, VLSI and Communication Engineering (ICSPVCE-2019)" which was conducted in Delhi Technological University, March 28-30, 2019. He also chaired a session in the conference
2. Nitin Trivedi has submitted his Ph.D thesis titled, "Modeling, Simulation and Characterization of Junctionless Accumulation Mode Surrounding Gate MOSFET for Digital Applications" under the guidance of Prof. R.S.Gupta.
3. Four students have got registered under Prof. R.S.Gupta for their Ph.D:
 - Amit Das:- Jawaharlal Nehru University
 - Sumedha Gupta:- Delhi Technological University
 - Preeti Goyal:-G.G.S.I.P.U
 - Swati Sharma:-G.G.S.I.P.U



Amit Saxena

"SOI-Schottky Barrier Nanowire MOSFET for reduced Ambipolarity and Enhanced Electrostatic Integrity" Amit Saxena, Manoj Kumar, R.K.Shrama and R.S. Gupta. Amit Saxena got best paper award for the same in MICRO 2019 held in 6th and 7th July, 2019, in Kolkata, West Bengal, India.



Ph.D. Awarded

Dr. Divya Goyal

Dept. of ECE

Awarded Ph.D. in June 2019 from Netaji Subhas Institute of Technology, University of Delhi, Delhi. The topic of her thesis is, 'Design and Analysis of Current Conveyor based Fractional order Systems'.



Dr. Mahim Sharma, Dept. of Humanities

"Towards a Poetics of Chaos: A Study of Select Literary Narratives". Was awarded PhD from University School of Humanities and Social Sciences, GGSIP University, New Delhi.



Dept. of Applied Physics

Prof. Dr. Kamal Nain Chopra

Prof. Dr. Kamal Nain Chopra of Applied Physics Department, has been able to continue his research work, and published a number of Research Papers (10) in the year 2019 (6 in coauthor ship with Dr Ritu Walia, 1 as a single author, and 3 in coauthor ship with Ms Namrata Sharma), on various Topics like X-Ray FELs, Surface Plasmon Resonance Temperature Sensors, Spin Lasers, Artificial Dielectric Materials with Resonance in Dirac Leaky-Wave Antennas, Biosensors based on Surface Plasmon Resonance, Spiritualism and Ethics on Corporate Sector, Role of Bhagavat Gita in Strategic Planning and Management, Two Photon Polymerization, and Spintronic Devices, in Reputed International Journals - LAPJE, SOPO 2019, Xian, CHINA (TAYLOR and FRANCIS Group, OXFORD, UK), Materials Science Forum, Trans. Tech Publications, Zurich, SWITZERLAND, Atti Fond, ITALY, GJMBR, USA, IJAFS, USA, GJHSS, USA, and Materials Science and Technology, Scientific Net, SWITZERLAND ; and hence has contributed in increasing considerably the Research Activity of the Institute, thereby in enhancing its prestige and reputation at the International Level, both in Physics, and Business Management Studies. Besides, he has been acting as EDITORIAL BOARD MEMBER/ REVIEWER, by the Reputed Journal -IJAFS, USA., and Aerospace Science and Engineering, ELSEVIER.



Dr. Basant Kumar

Received Dr. Rajendra Prasad Teachers' Award-2019 from International Eminent Educationists Forum of India on 5th September 2019. Authored a book on Applied Physics, "An Insight into Conceptual Applied Physics", published by MATES. Dr. Monika Aggarwal is the co-author of the book.



SK Pandey

Shashi Kant Pandey, Ganga Prasad Pandey and P. M. Sarun, "Circularly Polarized Micro-strip Antenna with Fractal Trees loaded Ground Plane", Electromagnetics, vol. 39, no. 7, pp. 505-523, Aug. 2019. DOI: 10.1080/02726343.2019.1658167(SCI,WOS)



(Taylor and Francis)

रेडियो की भाषा का श्रोताओं पर प्रभाव

-विजय पाल सिंह

सहायक प्रोफेसर (पत्रकारिता और जनसंचार)

रेडियो जनसंचार का सबसे सस्ता, सुलभ और प्रभावशाली माध्यम माना जाता है। देश के ग्रामीण इलाकों में आज भी आकाशवाणी के कार्यक्रम बेहद लोकप्रिय हैं, वहीं शहरों व कस्बों में प्राइवेट एफएम के कार्यक्रम युवाओं को बहुत आकर्षित करते हैं, ऐसे में रेडियो कार्यक्रमों की भाषा-शैली का श्रोताओं पर पड़ रहे प्रभाव के बारे में जानना-समाझना आवश्यक है। भाषा मानव संचार का आधार है। भाषा लोगों के साथ संचार में मदद करती है। भाषा प्रतीकों की एक जटिल प्रणाली है। यह मानव विचारों का स्रोत है। भाषा संचार का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। मनुष्य भाषा-शैली से न सिर्फ प्रभावित होता है बल्कि इससे उसके व्यक्तित्व का निर्माण भी होता है। हमभाषा के माध्यम से ही दूसरों तक अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करते हैं। सोशलमीडिया के आज के दौर में युवाओं की भाषा-शैली बड़ी तेजी से बदल रही है। ऐसे में मुख्यधारा की मीडिया में बदलाव आना स्वाभाविक है। रेडियो (प्राइवेट एफएम) में युवाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से हिंग्लिश के शब्दों का खूब प्रयोग किया जाने लगा है, टीवी में रचनात्मकता के नाम पर भाषा के साथ खिलवाड़ हो रहा है तो प्राइवेट रेडियो में प्रयोग होने वाली भाषा तो और भी अधिक हानिकारक है। कई कार्यक्रम ऐसे हैं जिसमें बीप का प्रयोग किया जाता है, श्रोता बीप का मतलब समझते हैं प्राइवेट एफएम चैनल के रेडियोजॉकी जिसतरह से बोलते हैं, वह भी कोई बहुत अच्छा नहीं है, उदाहरण के तौर पर सुनिए बैक टु बैक चार गाने चिपक के, आप सुन रहे हैं बारह से दो.. माँ-बहन का शो, एक चैनल का तो टैगलाइन ही “बजाते रहो” है। वहीं दूसरी तरफ सरकारी एफएम के प्रस्तुतीकरण में “सामान्य भाषा के शब्दों के प्रयोग के साथ भाषा की शालीनता का ध्यान रखा जाता है।” भाषा को बढ़ावा देने के लिए मीडिया महत्वपूर्ण

भूमिका निभाता है। रेडियो सुनने के साथ-साथ हमारी बातचीत का स्तर विकसित होता है। श्रोता विशेषरूप से युवाओं में हिंग्लिश भाषा में बोलचाल बेहद आम हो चला है, शायद इसीलिए प्राइवेट एफएम अपने लक्षित समूह यानि युवा वर्ग को ध्यान में रखकर कार्यक्रमों का निर्माण करते हैं और युवाओं को



आकर्षित करने के लिए ही ऐसी भाषा का प्रयोग करते हैं। लेकिन क्या इसे उचित कहा जा सकता है। ऐसे में प्राइवेट एफएम रेडियो की भाषा पर विचार करना प्रासंगिक हो जाता है। आकाशवाणी के देशभर में कुल 420 स्टेशन हैं जिनकी पहुँच देश के 98 फीसदी इलाकों तक है वहीं प्राइवेट एफएम देश के 65 फीसदी इलाके तक पहुँच रहे हैं। प्राइवेट एफएम स्टेशन को सरकार की तरफ से भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मैट्रो शहरों के बाद छोटे शहरों और कस्बों में भी प्राइवेट एफएम स्टेशन खुल रहे हैं। ऐसे में यह अध्ययन का विषय है रेडियो के कार्यक्रमों और उसकी भाषा-शैली का श्रोताओं पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। जनसंचार के साधनों में रेडियो सबसे अधिक पहुँच वाला सस्ता माध्यम है। गाँव के लोगों के लिए रेडियो मनोरंजन और सूचना का सबसे बड़ा साधन



है। आकाशवाणी की लोकप्रियता ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाधिक है। ऐसे में आकाशवाणी के कार्यक्रमों में बोली जाने वाली भाषा क्या एक साधारण ग्रामीण, मजदूर या किसान को समझ में आती होगी, ये भी एक सवाल है? प्रत्येक माध्यम की अपनी 'भाषा' या 'व्याकरण' होती है। एक समय था जब विविध भारती, बीबीसी को सुनकर भाषा सीखी जाती थी। हम अपनी भाषा को मांजते थे। लेकिन जब से प्राइवेट एफएम रेडियो आए हैं तब से अजीब तरह

की भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। इस पर सफाई देते हुए एफएम चैनल वालों का कहना होता है कि हम आमजनता की भाषा का प्रयोग करते हैं। जनता जो सुनना चाहती है, हम उसी भाषा में बात करते हैं। लेकिन शोधकर्ता एवं भाषाविदों का मानना है कि ऐसी भाषा जनता न तो बोलती है और ना ही सुनना पसंद करती है। हाँ, यह जरूर है कि स्कूल-कॉलेज स्तर के कुछ लड़के-लड़कियाँ ऐसी भाषा का जरूर इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उसे सही नहीं कहा जा सकता। इससे भाषा के साथ खिलवाड़ होता है। हर कोई सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए अनेकों तरीके अपनाता है और रेडियो चैनल भी वहीं कर रहे हैं। किसी को परेशान करना, मस्ती करना, हंसी-मजाक करना ये तो सब मनोरंजन में आते हैं, लेकिन किसी की निजी जिंदगी पर कमेंट कसना यह सही नहीं है। बेहूदामजाक पर रेडियो कार्यक्रम नहीं बनने चाहिए। रेडियो से संदेश समाज में दूर-दूर तक जाते हैं। इसका दायरा जरूर होना चाहिए। जो प्रोग्राम प्रोड्यूसर होते हैं उन्हें रेडियोजॉकी को बताना चाहिए कि उनका दायरा कहाँ तक है क्योंकि रेडियो सिर्फ मनोरंजन का ही नहीं, शिक्षा का भी साधन है। मीडिया ने हमारे रोजमर्रा की जिन्दगी पर उस गति से बहुत बड़ा प्रभाव डाला है जिस पर हम सूचना के प्रसार के लिए संवाद करते हैं। मीडिया संचारित करने के लिए मीडिया की भाषा का उपयोग उपकरण के रूप में किया जाता है। जनता तक संदेश पहुँचाने के लिए प्रसारण की भाषा सरल और सुग्राह्य होनी चाहिए तभी उसे सामान्य तथा विद्वान्, निरक्षर, साक्षर और बाल, युवा तथा वृद्ध समान रूप से समझ सकेंगे। भाषा सहज, प्रवाहमय और स्पष्ट होनी चाहिए। वाक्य छोट-छोटे और अपने आप में पूर्ण होने चाहिए। कठिन शब्दों के प्रयोग और अत्यधिक अलंकारिक भाषा से बचना चाहिए क्योंकि अर्थ जटिल होते ही श्रोता का ध्यान उचट जाता है और वहीं पर आकर वार्ता असफल होने लगती है। रेडियो कार्यक्रम की सफलता इस बात में निहित होती है कि वह श्रोताओं के मस्तिष्क पर तुरंत प्रभाव उत्पन्न करे, एक बार जो वाक्य, उक्ति अथवा शब्द प्रसारित हो गया, वह हवा के झोंके की भाँति निकल जाता है। रेडियो के कार्यक्रमों में भाषामंजिल नहीं है बल्कि एक रास्ता है। भाषा का उद्देश्य है, श्रोताओं तक अपनी बात रचनात्मक तरीके से पहुँचाना, रेडियो की भाषा आपसी संवाद की भाषा होती है जिसमें स्टूडियो में बैठा प्रस्तुतकर्ता अपने श्रोताओं से बात करता है, इसलिए रेडियो कार्यक्रमों की भाषा-शैली सहज, सरल और स्वाभाविक होनी चाहिए।

THE DIGITAL DEMON: SAVE YOUNG GENERATION

-Dr Gaurav Aggarwal (Faculty, MAIMS)

India is entering into ocean of digital world, which tantamount to developing strange relationship between technology and human psychology. Disconnection, disabilities, depression and death are griping the young nation with its powerful hands of digital devices. Yes, smart phones are no longer commutable and helping



device but it isa new addiction tool which sometimes seems to be more dangerous than drugs.

Shiven sits on railing of 10th floor and making pose just to impress his girl friend. Ravani and group are on river trip and taking selfies in midst of powerful stream. Three friends were chasing and crossing the fast train only to upload their adventure on digital platforms. What appended to above all, They are cruelly murdered by UNSEEN DIGITAL demon and you cannot even invoke the IPC code though 50% selfie deaths occurs in India. This is not enough but pictures of few incidents of digital world engrossment. All this is just a tip of the iceberg. Selfie syndrome is one part of digital demon which is murdering in some cases but something more mysterious is happening in digital revolution. Life threatening stunts is luring young generation for one minute fame on YouTube, Tiktok and other platforms. Messaging, pictures, photos, selfies and emogis experiences and fast interactions are making a horrified divide real live and virtual realities blurred. In young generation you will find smart phone as their life line or part of body, their day starts and ends with smart phone in hand. It is unnatural attachment between young generation and smart phone. They are ready to break anything except smart phone, even close relationships.

Now the question arises that it is digital development or digital addiction. In india though parents and sometimes few agencies are feeling the addiction but it is not documented at national or state level. In contrast, Western and South Asian countries recognizing internet addiction as serious health and psychological hazard not only for children but women and men are also victims. One day I was in the waiting room of Bhopal Railway station, where I found 4-5 older couples together, surprisingly, they were not talking to each other but were engrossed with their mobile phones. A 70 plus lady



उद्यमेन हि सिध्यन्ति
कार्याणि न मनोरथैः

was just enjoying with ear phones and was totally oblivious of her surroundings. This is the new scenario of digital India. Online and gaming and gambling becoming new tool of entertain addiction, sometimes to the extent of digital disorder amounting to compromise all in lives. "Digital disorders are benevolently under recognized in India and it is fast emerging as india, s newest life style disease", says Dr Rajesh Sagar , head of Psychiatry at AIIMS, Delhi. According to market research survey of KarvyAgency in metropolitan and state capitals on digital attitude reveals, that respondents are aware about their unusual attachment to digital devices whether its smart phone, computer or laptop. 47% of respondents feel that they are unnecessarily attached to their device and around 62% admit that they remain attached to device even in washroom and on dinning tables. When you are attached to these devices to 7-10 hrs per day they are feeling guilt, anxiety, anger and depression. Surprisingly, they all wanted to get rid of but sometimes not able to do so. Cheap data plans, increased bandwidth and government push for digital India witnessing the growth of new digital players. Which are killing 3000 min per year per person only for good morning and goodnight messages. The average young Indian checks mobile phones 150 times a day, streams music and videos 2 hrs and 21 minutes. 23 hrs are only for texting and loading 200 apps with use and without use. India is embracing digital revolution with open arms but doctors are warning about their psychological and behavioral aberrations. According to Associate Professor of NIMHANS, of clinical psychology, cases of sleeplessness, irritation, eye and spinal cord, radiation ,cervicogenic headaches, nomophobia, text neck, texting thumb and occipital neuralgia are increasing at alarming speed. According to Dr Sanjay Dixit, professor and head community medicine at MGM Medical College that 9 out of 10 medical students have some sort of digital disorder like excessive texting, painful thumb and panic attack. As a faculty member I am witnessing that behavior of students are changing very fast in terms of respectfulness, respect towards elders, duty orientation, interest in studies and good inter-personalrelations. I feel sorry to say that all are heading towards negative mode with alarming speed. With almost free data schemes the matter becomes worse because of easy access to all. According to Andrew przybyisky, social psychologist and Director of research, university of oxford who has conducted survey on FoMO (fear of Missing Out) that this disorder starts with sadness and envy and increases with the help of picture perfect social media in form of insecurity, fatigue and troubled sleep. Different type of disorder are taking place at a very alarming speed, few we can spell out here cyberchondria (obsessively seeking medical therapies), sexual

deviance, cyber sickness, face book depression, narcissistic behavior and technoference (less leisure hours) etc. the upward spiral of addiction eventually puts the brain into a downward spiral of depression, anxiety, insomnia and high risk behavior in technology addiction. Mobile phones and social networking sites put young generation in stressful environment because of comparison between own achievements with others and start to feel dissatisfied and frustrated and if this phase continues in one's life its slows down the function of brain.

Now big question arise on political, economical, social, education and medical system that where are our young generation heading to? We put the smart phones in the hand of vibrant young generation which is helpful as well as self destructing devise. Now, what is the solution of this menace, Can we stop the digital revolution in one go or we can stop buying and using latest smartphones with latest features. Is it possible to switch off mobile phone and internet? Is it possible not to take selfies? Is it practically possible to stop social working sites? I know that answer will never be in 'yes' mode for any of above these questions. but few things are quite possible, Strong code of using smart phone in class rooms, public meetings, private meetings or any kind of interaction. It is possible to stop selfie destinations at any place where the risk stakes on higher side.

Now it is time to increase the fees of internet and only few facilities should be available on smart phone rather than whole word in pocket. Few years back when data was costly and mostly available on 2G format only, then very few students and society used it so frequently. Can we talk to our children more and play with them any game just to avoid smart phones by them? Can we explore the idea of smart phone injuries on various platforms, even on smart phones and print media. Can we arrange the sessions in schools and colleges for judicious use of smart phones and acquainted them about their various illeffects in their life? Can daily news papers take a challenge to teach about uses of smart phones only in right format? Can we support the idea of more and more face to face interaction, physical socialization and more meaningful one to one relationships? Can combined yoga, physical exercise, short marathons, meditation and story session arranged frequently? What do you think about banning the mobile games and more play ground games for children? What do you think about paid uses of social networking sites? I seriously don't know about the how many are in favor of these ideas. But, I am concerned to save the young generation to save the world. Now, what is your idea

○

प्रान्तीय भाषाओं का विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान एवं पुस्तकालय की भूमिका

-देवराजशर्मा

(पुस्तकालयाध्यक्ष)

महाराजा अग्रसेन तकनीकी संस्थान, दिल्ली

परिचय : विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्व की प्राचीनतम उपलब्धियों से लेकर इस शताब्दी में प्राप्त महान सफलताओं की एक लम्बी और अनूठी परम्परा रही है। किसी भी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्राचीन एवं नूतन, शोधों एवं खोज की जानकारी हेतु उस देश की, भौगोलिक स्थिति, काल, वातावरण, भाषा एवं इतिहास की जानकारी होना अति आवश्यक है।

भारतीय आधुनिक विद्वानों एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति की मान्यता के परिणामस्वरूप यह धारणा बनी हुई है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक ही उन्नत विज्ञान के जनक हैं। इस अवधारणा के फलस्वरूप हमारे अपने ही देश के बौद्धिक संस्थानों और प्रचार माध्यमों ने हमारे समृद्ध वैदिक विज्ञानमय साहित्येतिहास को ग्लानि और आत्मनिन्दा की दृष्टि से ही देखने को विवश कर दिया है।

जब भारत में कोई ग्रामीण व्यक्ति हेलीकॉप्टर का प्रयोग कर दिखाता है, तो उसका मनोबल बढ़ाने के लिए सरकारी प्रयास तक नहीं किये जाते अपितु सुरक्षा कारणों से एवं जुगाड़ टेक्नोलॉजी की संज्ञा से उपेक्षित करते हुए उनका मनोबल तोड़ दिया जाता है। इसे 'जुगाड़ टेक्नोलॉजी' का नाम दिया जाता है। ज्ञातव्य है कि कालका शिमला रेल मार्ग के निर्माण हेतु अंग्रेज इंजीनियरों को भी एक अशिक्षित चरवाहे से प्रमाणरहित मार्गदर्शन लेना पड़ा। तभी वे वहाँ रेल मार्ग बना पाने में सफल हुए।

भारतीय वैदिक संस्कृति का महाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सूत्रों का मूल आधार हमारे मूल संस्कृत ग्रन्थ हैं। जिनका प्रभाव आज भी भारतीय साहित्य एवं समाज में, कथावतों, लोक-कथाओं एवं लोक-रचना व गीतों में स्पष्ट मिलता है। लेकिन स्वदेशी भाषा ज्ञान के अभाव के कारण उनमें छुपे रहस्य उपेक्षित बने हुए हैं। भारत में लोग स्वर्ण निर्माण कला में दक्ष थे। जिसका उल्लेख नाथ सम्प्रदाय की 'रसायन रामायण' में मिलता है। यथा :-

1. वन तुलसी वन में बसै मिले साँवणी मण।
चर पर चाँदी सेर चाहे कर ले मण।।
2. चींटी मरती बहुत सी, नीचें चींटेकर होय।
कर मछिन्दर सुण राँगरी चाँदी कर ब्योर।।
3. रोमाबासी मूसाकानी, जंगल में है वासा।
रंग में थोड़ा भंग मिला दे, गोरख देख तमासा।।
4. तीन पान की रूखडी, जानत हैं सब कोय।
रंग में भंग मिलाय के कनक कंचन होय।।

धातुओं को मारना:- विविध धातुओं को उपयोग करने हेतु उसे मारने की विधि का वर्णन किया गया है अर्थात् मिश्रण

दैनिक जागरण: जुलाई 1998(पृष्ठ 13 पर अर्जुन सिंह शेखावत द्वारा रचित लेख में उल्लेख किया गया :-

तो रस गंधक मो रस पारा, बीच-बीच नाग संचारा।

नाग मार नागिन का दीजै, भर-भर थाल स्वर्ण की लीजै।।

यदि हम अपने वेद पुराणों, उपनिषदों एवं तन्त्र मन्त्र से सम्बन्धित ग्रन्थों का मनन उसमें निहित विज्ञान को वर्तमान जनोपयोगी बनाकर व्यवहार में लाये तो निसन्देह भारत के अस्त गौरव को पुनः तेजामय कर पाने में समर्थ हो सकेंगे। लेकिन यहाँ संस्कृत एवं स्वदेशी/प्रान्तीय भाषा के ज्ञान की परम आवश्यकता है। जिससे विज्ञानमय सूत्रों के गूढ़ रहस्य का स्पष्ट ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

हमारे भारतीय वैज्ञानिक ऋषिगण पारस से स्वर्ण बनाने की कला में दक्ष थे। उनके सूत्रों के अनुसार अठारह संस्कार करने से पारा शुद्ध होता है। पूर्णरूप से शुद्ध पारा से स्वर्ण का निर्माण होता है। पारद सिद्धि हेतु 18 संस्कार निम्नलिखित हैं :- 1. स्वदेन संस्कार, 2. मर्दन, 3. मूर्च्छन, 4. उत्थापन, 5. पातन, 6. रोधन (बोधन), 7. नियम, 8. दीपन संस्कार।

उपरोक्त 8 प्रकार के संस्कारों द्वारा अशुद्ध पारद निर्मल सुसंस्कृत तथा पारे के सात दोष कचुलियाँ दूर हो जाती है। इसके उपरान्त अन्य 10 संस्कारों द्वारा पारद सिद्ध किया जाता है जो निम्नलिखित हैं :- 1. अभ्रक भक्षण, 2. चारण संस्कार, 3. गर्भदुति संस्कार, 4. ब्राह्म दुति, 5. जारण, 6. रंजन, 7. सारण, 8. क्रामण, 9. वैध संस्कार। उक्त संस्कारों का उल्लेख 'शक्ति सन्देश' नामक पत्रिका के पृष्ठ संख्या 9-17 में स्पष्ट रूप से किया गया है।

आज भी ऐसे कई रसायन वैज्ञानिक हैं जो शुद्ध पारे से स्वर्ण बना सकते हैं और इसका प्रमाण है - अमेरिका के मिस्टर ब्रूच द्वारा लिखित पुस्तक 'चेन्ज टू गोल्ड'। इसमें लेखक ने भारतीय योगियों के फोटों तथा उनका संक्षिप्त विवरण, निवास स्थान और उनसे प्राप्त कूट उक्तियों का विवरण दिया है और बताया है कि इन कूट उक्तियों के अनुसार प्रयत्न करने पर धातु परिवर्तन में सफलता प्राप्त हो सकती है। उन्हें स्वर्ण निर्माण कला में दक्षता प्राप्त थी। उनकी पुस्तक में दिये कतिपय श्लोक निम्नवत् हैं :-

रक्तचित्रकमूलं तु काजिकं शुद्ध पारदम्
कंगुणी तेल संयुक्तं सर्वे कल्पं मलेपयेत् ।
ताम्रपत्राणि तप्तानि तस्मिन् सिंचेत्रिसप्तडा
एवं त्रिसप्तडा कुर्याद् दिव्यं भवति कांचनं।।

भावार्थ :- लाल चित्रक की जड़ को लेकर नीले थोथे में उसको घोटें और इस प्रकार छः घण्टे के बाद उस रस को शुद्ध ताँबे के टुकड़े पर लेप कर दें, इसके बाद नीला थोथा, सेन्धा नमक व कुंकुम बराबर मात्रा में लेकर इस ताम्बे के टुकड़े पर डालकर कड़ाई में रख दें और इसे बीस किलोपानी में पकावे, जब एक किलो रह जाये तो ताम्बे का टुकड़ा निश्चय ही स्वर्ण बन जायेगा।

स्वर्ण प्राप्ति प्रयोग- 2

क्षीरकंदभवं क्षीरे तप्तं ताम्र निशेचयेत्
शतवारं प्रयत्नेन तत्ताम्रं काचनं भवेत् ॥

भावार्थ :- गन्धक, रक्त चन्दन और रुद्रवन्ती बराबर मात्रा में लेकर ताम्बे में डाल दें और दस किलो पानी में पकावे जब पानी एक किलो रह जाये तो

उस ताम्बे के टुकड़े को बाहर निकाल दें। इस प्रकार सात बार करें तो वह ताम्बे का टुकड़ा निश्चय ही सोने में बदल जाता है।

स्वर्ण प्राप्ति प्रयोग- ३

पारदं पलमेकं च हरिताल च तत्समं
गंधकं च तयोः तुव्यं मर्दनीयं विशेषतः
पूर्ववद् द्रावितं कृत्वा दिव्यं भवति कांचनं॥

भावार्थः:- एक भाग पारा, एक भाग हरताल तथा दो भाग गन्धक लेकर आक के दूध में दिन भर मर्दन करें, फिर इसे बीस किलो पानी में पकायें, पकाने के बाद इसे बाहर निकाल दें और दो भाग ताम्बे को पानी की तरह पिघला कर इस पर डाले तो यह ताम्बा तुरन्त स्वर्ण में बदल जाता है।

स्वर्ण प्राप्ति प्रयोग- ४

तापकस्य त्रयो भागा शिला भागा द्वयं तथा
म्लेच्छभागो भदेको पारदम्य तथा परः।
कुमारी रसयोगेन भवयित्वा यथाविधि,
दीपाग्नि तत्र कर्त्तव्यो दिव्य रूपं हि कांचनं॥

भावार्थ :- तीन भाग हरताल, दो भाग मेनसिल तथा एक भाग हिंगुल को एक भाग पारे में घोटें, फिर गवार पाठे के रस में मर्दन कर रात्रि को बीस किलो पानी में ताम्बे के साथ पकावे तो वह ताम्बा निश्चय ही स्वर्ण में बदल जाता है।

इसके अलावा भी ब्रूच ने अपने ग्रन्थ में और भी कई प्रयोग दिये हैं और उसने सफलता पाने का दावा भी किया है। दिनांक 04-10-12 को प्रकाशित अमर उजाला पृष्ठ 16 के अतिरिक्त अन्य प्रामाणिक ग्रन्थ निम्न है :- 1. ऋग्वेदोक्त श्रीसूक्त , 2. लक्ष्मी तन्त्र, 3. रूद्रयामल तन्त्र, 4. काकचण्डीश्वरी कल्प तन्त्र, 5. रसहृदय तन्त्र (गोविंदपादाचार्यकृत), 6. गोरसा संहिता (गोरक्षानाथ रचित), 7. रससव्यय (कंकालयोगी कृत), 8. रस रत्नाकर रसायन खण्ड (नित्यनाथ सिद्ध), 9. रस रत्नाकर ऋद्धिखण्ड वृद्धिखण्ड (नित्यनाथ सिद्ध), 10. रसार्णव (भैरवानन्द योगीकृत), 11. आनन्द कन्द (मंथान-भैरव), 12. रस पद्धति-श्री विंदुनाथ, 13. रसोपनिषद्- राजामंदनरथकृत, 14. रसेन्द्र चूडामणि-सोमदेव, 15. रस प्रकाश सुधाकर-यशोधर, 16. रसकौमुदी- ज्ञानचन्द्र, 17. सिद्ध रसायन-व. कृ. मोरे, 18. पारद संहिता-संकलित।

इसके अतिरिक्त समृद्ध वैदिक साहित्य में अस्त्रशास्त्र एवं वैमानिकी विद्या पर भी समृद्ध ज्ञान उपलब्ध है। डॉ. एच. ए. सर्किला ने इतालवी वैज्ञानिक राबर्टो पिनीती के मत से सहमति व्यक्त करते हुए कहा था कि 'समरांगण सूत्रधार' नामक ग्रन्थ के 230 पदों में विमान निर्माण सम्बन्धी सिद्धान्त तथा युद्ध एवं शान्ति काल में उनके प्रयोगों के बारे में विशद वर्णन किया गया है।

वैदिक एवं लोक कथाओं की कूटभाषाशैली में अनुवाद सन् 1950 में 'कल्याण' के हिन्दू संस्कृति अंक में श्री दामोदर जी साहित्याचार्य ने 'हमारी प्राचीन वैज्ञानिक कला' नामक लेख में भरद्वाज कृत विमानशास्त्र के बारे में विस्तार से उल्लेख किया गया है। महर्षि भरद्वाज ने यंत्रसर्वस्व नामक ग्रन्थ लिखा था, उसका एक भाग वैज्ञानिक शास्त्र है। इस पर बोधानन्द ने टीका लिखी थी। इस ग्रन्थ के पहले प्रकरण में प्राचीन विज्ञान विषय के पच्चीस ग्रन्थों की एक सूची है, जिसमें प्रमुख हैं :- अगस्त्यकृत-शक्तिसूत्र, ईश्वरकृत-सौदामिनी कला आदि।

निष्कर्ष:- निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि हमारे वैदिक ज्ञान साहित्य

को जानने के लिए विदेशी विद्वान तो शोध कार्य में पूर्ण मनोयोग से प्रयासरत हैं, लेकिन हमारे यहाँ नवीन शोध एवं अनुसंधान प्रयास कर दिखाने वालों को विदेशी मानसिकता के कारण स्वदेशी भाषा की उपेक्षा एवं पाश्चात्य जगत के विद्वानों को ही प्रमाणिक-समृद्ध मानने की विवजता तथा प्रज्ञासकीय सहयोग के अभाव के कारण एक असहाय की तरह उपेक्षित होना पड़ता है। जिसके कारण सफल परिणाम के अन्तिम चरण तक पहुँचने से पूर्व ही अन्धकार के गर्त में समाने हेतु विवश होना पड़ता है।

सूचना क्रांति के इस युग में पुस्तकालय की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता।

वर्तमान समय को सूचना प्रौद्योगिकी के युग के नाम से जाना जाता है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पिछले कुछ दशकों से शीघ्र गति से विकास हुआ है। सूचना प्रौद्योगिकी मनुष्य को सोचने विचारने और सम्प्रेषण करने के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध कराती है। सूचना प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत कम्प्यूटर के साथ-साथ माइक्रो इलैक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी भी शामिल है और इसके विकास का नवीनतम रूप हमें इंटरनेट, मोबाइल, रेडियो, टेलिफोन, टेलिविजन, उपग्रह प्रसारण, कम्प्यूटर आदि के रूप में दिखाई देता है। इन सबके द्वारा आज सूचना प्रौद्योगिकी ने कोई क्षेत्र अछूता नहीं छोड़ा है।

सूचना क्रांति के इस युग में सूचना प्रौद्योगिकी है जिसके द्वारा प्रकाशित साहित्य को सुरक्षित रखा जा सकता है एवं आवश्यकता पड़ने पर आसानी से पुनः प्राप्ति एवं प्रसारित किया जा सकता है। पहले साहित्य बहुत कम मात्रा में प्रकाशित होता था। जिसे आसानी से संग्रहीत एवं पुनः प्राप्त किया जा सकता था लेकिन जब से साहित्य प्रकाशन में तीव्रता आई है, उसे संग्रहीत एवं पुनः प्रसारण में कई कठिनाइयों का सामना किया जाने लगा।

सूचना क्रांति के इस युग में सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव ने पुस्तकालय के अर्थ एवं कार्य प्रकृति में अप्रत्याशित परिवर्तन देखने को विवश कर दिया है। आज पुस्तकालयों के परम्परागत स्वरूप में परिवर्तन आया है।

पुस्तकालय में मोबाइल सूचना संचार तकनीकी का प्रयोग:-

वर्तमान में मोबाइल जनसंचार तकनीकी में काफी उन्नतिशील परिवर्तन हुए हैं। जिसके कारण मोबाइल फोन, टेबलेट, आइपैडस, पी डी ए का प्रचलन बढ़ गया है। इन मोबाइल फोनो में इंटरनेट, विडियो कॉलिंग, 3जी, फोर जी तथा वाई-फाई कनेक्टिविटी एवं ब्ल्यूटूथ आदि की सुविधा रहती है। दूसरे शब्दों में यह कहना उचित होगा कि संचार के साधन चलते-फिरते कम्प्यूटर हैं। इसी कारण अब लोगों का रूझान कम्प्यूटर की बजाए इनकी तरफ अधिक बढ़ा है। क्योंकि इन यंत्रों पर डाटा का संग्रह और उसका बहु उपयोगी नियन्त्रण करना ज्यादा सहज है।

पुस्तकालय मोबाइल टेक्नॉलाजी की सहायता से अपने उपयोक्ताओं को निम्न रूप से लाभान्वित कर सकते हैं-

1. संक्षिप्त संदेश एवं सचित्र संदेश द्वारा प्रत्यक्षतः सम्पर्क में रख सकते हैं। समय-समय पर उपयोगी सूचना द्वारा सचेत कर सकते हैं।
2. इलेक्ट्रॉनिक प्रलेखों की खोज व प्राप्ति की सूचना शीघ्र प्रेषित करने और प्रयोक्ताओं द्वारा प्रतिक्रिया की आसानी से प्राप्ति।
3. सन्दर्भ सेवा प्रभावपूर्ण ढंग से प्रदान करने के लिए एस एम एस, एम एम एस और ई मेल आदि की सहायता का प्रयोग।

○

विदेशी कलम से भारत गाथा हम कौन थे?

-प्रो. (डॉ.) विनीता गुप्ता

विभागाध्यक्ष पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज

हम कौन थे? हम क्या हैं? जब तक इन प्रश्नों के उत्तर हम अपने भीतर नहीं तलाश लेते तब तक न तो हम अपनी शक्ति को पहचान पाएँगे और न ही पूरी ताकत के साथ अपना 'श्रेष्ठ' दिखा पाएँगे। कई बार हम अपनी ताकत को खुद न पहचान कर दूसरों की नजरों से आंकते हैं, जब हम राष्ट्रवाद की बाद करते हैं तो उसका सीधा सम्बन्ध राष्ट्र प्रेम से है, राष्ट्र प्रेम के लिए आवश्यक है कि राष्ट्र के प्रति हमारे मन में स्वाभिमान का भाव हो, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हम अपने राष्ट्र पर गर्व करना भूल चुके हैं। एक लम्बे अरसे से अपने देश को नीचा, पिछड़ा हुआ घोषित करने का एक फैशन सा चल पड़ा है, जबकि हमारा देश एक ठोस धरातल पर खड़ा है। अब जरा भारत की संस्कृति, सभ्यता और ज्ञान को ही लें, बहुतों को लगता है कि यहाँ सब कुछ दोगुना दर्जे का है, पश्चिमी देशों में जो कुछ है वही श्रेष्ठ है, या जो पश्चिम से आये, वही श्रेष्ठ है, लेकिन सच ऐसा नहीं है, फिर भी अगर हमारी कही बात पर यकीन नहीं कि हम ऐसे देश के वासी हैं जिस पर हमें स्वाभिमान होना चाहिए तो आइये पश्चिम की नजर से ही खुद को देखते हैं।

पिछले दिनों मेरी नजर एक किताब पर गई, शीर्षक था 'व्हॉट

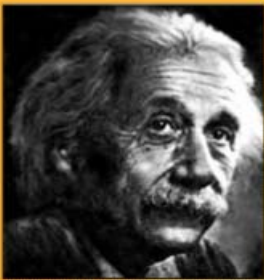
इज इंडिया - नो द आन्सर्स फार्म द वर्ल्ड रिनॉड इंटेलेक्चुअल जाइंट्स'। पश्चिमी देशों की महान विभूतियाँ भारत को किस तरह से देखती हैं, भारत के बारे में क्या सोच रखती हैं, तो लगा जैसे हम हीनता की महामारी से इतने ग्रस्त हो गए हैं कि अपना श्रेष्ठ भी नहीं देख पा रहे।



जर्मन दार्शनिक मेक्समूलर कहते हैं- 'अगर मुझसे पूछा जाये कि दुनिया में सबसे अमीर देश कौन सा है, जिसके पास अकूत धन सम्पत्ति है, शक्ति है, प्रकृति ने अपने सौंदर्य का खजाना जिस पर लुटाया है, जो धरती पर स्वर्ग जैसा है तो मुझे भारत का नाम लेना चाहिए, अगर कोई मुझसे पूछे कि वह कौन सा खुला आसमान है जिसके नीचे मानव मस्तिष्क ने सबसे ज्यादा विकास किया और जीवन की सबसे मुश्किल गुत्थियों को सुलझाया, जिसकी तरफ देखे बिना पश्चिम के दार्शनिकों प्लेटो और कान्ट से भी न रहा गया तो मुझे भारत का नाम लेना चाहिये, अगर मैं अपने आप से पूछूँ कि पूरी दुनिया में किस साहित्य में अपने

आंतरिक जीवन को पूर्ण बनाने, ज्यादा वैश्विक बनाने, सही मायनों में इन्सान बनाने की बात कही गयी है तो एक बार फिर मैं भारत की ओर इशारा करूँगा। 'वे आगे कहते हैं - 'अपने अध्ययन के लिए आप अपनी मानव बुद्धि को किसी भी दिशा में दौड़ाएँ चाहे वह धर्म हो, पौराणिक शास्त्र हों या दर्शन, कानून हो या संस्कृति, प्रिमिटिव आर्ट हो या प्रिमिटिव साइंस, आप चाहें या न चाहें, आपको भारत कि तरफ देखना ही होगा, क्योंकि सबसे कीमती और सबसे ज्यादा ज्ञान का खजाना भारत में है, सिर्फ भारत में।'

आपने परमाणु बम के पिता कहे जाने वाले



Albert Einstein

(1879 -1955):

"When I read the Bhagavad-Gita and reflect about how God created this universe everything else seems so superfluous."

"We owe a lot to the Indians, who taught us how to count, without which no worthwhile scientific discovery could have been made."

जूलियस आर. ओपेन्हाईमर का नाम जरूर सुना होगा। वे कहते हैं –‘आज हम जो कुछ मेटा फिजिक्स में देखते हैं, वह प्राचीन भारतीय बुद्धि का ही बेहतरीन उहदारण और परिवर्द्धित (रिफाईंड) रूप है।’

महान अमरीकी कवि, समीक्षक, दार्शनिक और नोबल पुरस्कार पाने वाले टी. एस. इलियट जब कहते हैं, ‘भारतीय दार्शनिकों की सूक्ष्म दृष्टि के सामने यूरोप के दार्शनिक स्कूली बच्चों जैसे हैं, ‘तो हमारा मन अपने अतीत में झाँकने का होता है। अपनी संस्कृति, सभ्यता को नमन करने का मन होता है, जानते हैं विश्व के सबसे महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टाइन ने भारतीय मेधा को प्रणाम करते हुए क्या कहा था? ‘हम उन भारतीयों को प्रणाम करते हैं जिन्होंने हमें गिनती करना सिखाया, जिसके बिना कोई भी वैज्ञानिक खोज संभव नहीं हो पाती।’

वेव मेकेनिक्स के लिए नोबल पुरस्कार पाने वाले ऑस्ट्रिया के भौतिक शास्त्री और क्वांटम फिजिक्स के जनक इर्विन ने यहाँ तक कहा कि ‘पश्चिमी विज्ञान को स्पिरिचुअल एनीमिया से बचने के लिए पश्चिम को पूर्व से ब्लड ट्रांसयूजन की जरूरत है।’

कोई तो ऐसी बात है भारत में कि जिसे देखकर प्रो. हिरेन ने कहा है –‘भारत एक ऐसा देश है, जिसे न केवल एशिया, बल्कि पूरी पश्चिमी दुनिया अपने ज्ञान और धर्म के स्रोत के रूप में देखती है।’

फ्रांसिसी लेखक और दार्शनिक फ्रांस्वा वोल्तेयर ने सीधे-सीधे भारत का नाम न ले कर गंगा का उल्लेख करते हुए कहा-‘मेरा मानना है कि हमारे पास जो कुछ आया है, वह गंगा के किनारों से आया है-चाहे वह एस्ट्रोनोमी (खगोल शास्त्र) हो या एस्ट्रोलोजी (ज्योतिषशास्त्र) या फिर अध्यात्मा।’ वे एक और रहस्य खोलते हैं-‘यह जानना जरूरी है कि कोई 2,500 साल पहले पाइथागोरस समय से चल कर गंगा तक आया था ज्योमेट्री सीखने के लिए।’

जिस गंगा के देश ने पाइथागोरस और दूसरे वैज्ञानिकों, गणितज्ञों, विद्वानों और दार्शनिकों को आकर्षित किया, उसी गंगा के देश में रहते हुए आज हम अपनी ओर देखना क्यों भूल गए? क्यों अपनी संस्कृति, अपनी धरोहर, अपनी ज्ञान सम्पदा की ओर से मुँह मोड़ कर बैठ गए? यह सवाल बार-बार जेहन में कौंधता है। कौंधना भी चाहिए क्योंकि जब हम सवाल नहीं करेंगे तो उत्तर कि खोज में कैसे निकलेंगे? कहा भी गया है ‘जिन खोज आतीं पाइया’।

BEAT PLASTIC POLLUTION, IT IS IN OUR HANDS

*With a plastic pen in hand
Which has a plastic refill in it
I sip my tea filled in a plastic cup*

The tea powder which was filled in a plastic jar, finding a solution to plastic reduction seems to be far.

When I first thought of writing an article on the plastic pollution, I started to think as to how I should be addressing the problem. Then the thought came of writing the problem socially. To simplify, we can largely divide the human population into three categories.



Sonal Khurana
Dept. of MAE

- People who have nothing to do with the issue and feel that it is someone else's job to solve it.
- The second type who look at the problem as avenue to research and find out some valuable solution which would be beneficial.
- The third type who try to look at the root of the problem and thus look at eliminating the problem from the source.

The first kind of people who are not interested in solving the problem may turn out to be the trouble makers and lot of efforts are required to educate and create awareness among this category of people. The second category of people is those who have used waste plastic to make beneficial products. In this category, the end product is beneficial and may save the virgin resources. But the most important is the third category who wants to eliminate the problem from the root. They question the basis of plastic, its birth and its need. Rampant use of plastic just because it is convenient, needs to be tackled through consistent efforts.

NGOs, socially oriented individuals and groups have been focussing their efforts in this direction.

Public awareness, public participation and strict implementation of law and legislation will ensure effective implementation of ban on plastic.

I would like to end by writing a quote by the Chinese philosopher Confucius. It states that “I hear and I forget, I see and I remember, I do and I understand”. This quote will strike the very core of our hearts who believe in action. Thus, to **act** to **save the mother earth** is the need of the hour and this requires our action of not using plastic as far as possible.

योगासन

योग भारत की परंपरा का एक अमूल्य उपहार है यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है; मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है; विचार, संयम, और पूर्ति प्रदान करने वाला है तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह व्यायाम के बारे में नहीं है। लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवन शैली में यह चेतना बनकर हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है।

महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान, की छात्राएँ, इशा मित्तल, श्रीयम पालीवल, व चेतना सतीजा योगाचार्य सुनील कुमार के दिशा निर्देश में योगाभ्यास करते हुए :



सर्वांगासन

कंधों के बल खड़े होना - 'सभी अंगों के लिए अच्छा'

पीठ के बल लेट जायें। पूरक करते हुए टांगों (सीधी या मुड़ी), नितम्ब और धड़ को फर्श से ऊपर उठायें। पीठ को हाथों से सहायता दें। धीरे-धीरे टांगों और पीठ को सीधा करें, जिससे शरीर का पूरा भार गर्दन, कंधों और भुजाओं पर आ जाये। ठोड़ी छाती को छूती है। पीठ और टांगें खड़ी रेखा में यथासंभव एक सीध में आ जाये। सामान्य श्वास के साथ इसी मुद्रा में 1 से 5 मिनट तक बने रहें। रेचक करते हुए टांगों को नीचे लायें, घुटनों को सिर की ओर लायें एवं धीरे-धीरे प्रारम्भिक स्थिति में आ जायें।

मन को शान्ति देता है। यह ग्रीवाग्रन्थि और सभी संबंधित अंगों के कार्यों का नियमन करता है। शरीर की नीचे से ऊपर होती हुई मुद्रा रक्त पूर्ति को बढ़ाती है और इस प्रकार यह आसन शरीर की सभी कोशिकाओं को अधिक कार्यशील बना देता है। यह शिराओं की वापसी सक्रिय करता है और सूजी हुई टांगों के लिए विशेषरूप से अच्छा है।

हलासन-

इस आसन में शरीर का आकार खेत में चलाए जाने वाले हल के समान हो जाता है। इसीलिए इस आसन को हलासन कहा जाता है।

रीढ़संबंधी गंभीर रोग अथवा गले में कोई गंभीर रोग होने की स्थिति में यह आसन न करें। आसन करते वक्त ध्यान रहे कि पैर तने हुए तथा घुटने सीधे रहें। स्त्रियों को यह आसन योग शिक्षक की सलाह पर ही करना चाहिए।

हलासन से हमारी रीढ़ सदा जवान बनी रहती है। मेरुदंड संबंधी नाड़ियों के स्वस्थ रहने



योगाचार्य सुनील कुमार



से वृद्धावस्था के लक्षण जल्दी नहीं आते। अजीर्ण, कब्ज, अर्श, थायराइड का अल्पविकास, अंगविकार, दमा, सिरदर्द, कफ, रक्तविकार आदि दूर होते हैं। लीवर और प्लीहा बढ़ गए हो तो हलासन से सामान्यावस्था में आ जाते हैं।

चक्रासन :

सर्वप्रथम शवासन में लेट जाएँ। फिर घुटनों को मोड़कर, तलवों को भूमि पर अच्छे से जमाते हुए एड़ियों को नितंबों से लगाएँ। कोहनियों को



मोड़ते हुए हाथों की हथेलियों को कंधों के पीछे थोड़े अन्तर पर रखें। इस स्थिति में कोहनियाँ और घुटने ऊपर की ओर रहते हैं। श्वास अंदर भरकर तलवाँ और हथेलियों के बल पर कमर-पेट और छाती को

आकाश की ओर उठाएँ और सिर को कमर की ओर ले जाए।

फिर धीरे-धीरे हाथ और पैरों के पंजों को समीप लाने का प्रयास करें, इससे शरीर की चक्र जैसी आकृति बन जाएगी। अब धीरे-धीरे श्वास छोड़ते हुए शरीर को ढीलाकर, हाथ-पैरों के पंजों को दूर करते हुए कमर और कंधों को भूमि पर टिका दें और पुनः श्वास की स्थिति में लौट आएँ।

मेरुदंड को लचिला बनाकर शरीर को वृद्धावस्था से दूर रखता है। शरीर में शक्ति और स्फूर्ति बनी रहती है। यह रीढ़, कंधे, कमर, पीठ, पेट सभी को स्वस्थ बनाए रखकर शक्ति प्रदान करता है। यह हृदय प्रणाली को सुचारू रूप से चलायमान रखता है।

मत्स्यासनः



मत्स्य का अर्थ है-मछली। इस आसन में शरीर का आकार मछली जैसा बनता है, अतः यह मत्स्यासन कहलाता है। यह आसन छाती को चौड़ाकर उसे स्वस्थ बनाए रखने में सक्षम है। मत्स्यासन को करने वाले बिना हिले-डुले पानी में घंटों तैर सकते हैं। इसलिए इसे मत्स्यासन कहते हैं। इस आसन के द्वारा ग्रीवा की मांसपेशियाँ आगे-पीछे खिंचने से लचीली व मजबूत बनती है। इस आसन को करने से सांस के सभी रोगों में लाभ होता है। यह आसन चेहरे के तंतुओं पर विशेष प्रभाव डालता है तथा पूरे मेरुदंड को प्रभावित करता है और उसकी गड़बड़ियों को दूर करता है। यह आसन गर्दन पर जमा चर्बी को कम करता है और गर्दन

व कमरदर्द के लिए यह एक अच्छा आसन है। यह आसन पेट की मांसपेशियों को क्रियाशील बनाता है तथा छोटीआंत तथा मलद्वार भी सही रूप से काम करने लगता है। यह आसन अपच को खत्म करता है, कब्ज को दूर करता है, वायुविकार दूर करता है तथा भूख को बढ़ाता है।

बद्धपद्मासनः



बद्धपद्मासन संस्कृत का एक शब्द है जिसमें 'बद्ध' का अर्थ 'बाध्य या बंद' है और 'पद्मा' का अर्थ 'कमल का फूल' और 'आसन' जिसका अर्थ 'मुद्रा' होता है। बद्धपद्मासन को अंग्रेजी में 'लॉकलोटसपोज' के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि इस आसन में आपका शरीर एक बंद कमल के समान हो जाता है। बद्धपद्मासन एक ध्यान है जो के शारीरिक और मानसिक स्थिरता बनाये रखता है।

बद्धपद्मासन को करने में आपकी रीढ़ की हड्डी पूरी तरह से सीधी रहती है जिसके कारण आपकी रीढ़ की हड्डी की कमजोरी दूर हो जाती है और वह मजबूत हो जाती है, इसके साथ यह कंधे, कलाई, पीठ, कोहनी, कूल्हों, घुटनों के दर्द को भी कम कर देता है। ○

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2019





GRETA THUNBERG - THE 16 YEAR OLD CLIMATE CHANGE ACTIVIST

-Deepayan, III Year, ECE

Every millennial child has read their science book that majorly concerns over climate change but few have the courage to question for it. Greta Thunberg is one of them. Greta Thunberg, a Sweden citizen, 16 year old activist who started her journey for climate change by asking herself the question “if climate change is something serious we should worry about then why so little has been done for it?”. She was only 8 years old when she realised this. After three years she became depressed and lethargic and soon she was diagnosed with Asperger's syndrome, obsessive compulsive disorder and selective mutism. Still she doesn't let her disorders comes into way and call her Asperger's syndrome as a superpower. She then challenged her family to reduce the carbon footprint by switching to a vegan diet and by not flying in planes. In May 2018 she won an essay competition on climate change held by Sweden newspaper. Soon the newspaper published her article. She was then contacted by Bo Thorén from Fossil Free Dalsl and, a group interested in doing something about climate change. He suggested to her strikes can be done by school students for the climate change. She started her journey soon after she got in ninth grade and not decided to go to school until the Swedish Elections in September 2018. She began her protests during the wildfires in Sweden's hottest summer since 262 years. She did her protests outside the Sweden parliament by holding the banner which said “school



strike for the climate”. Her parents were demurred by her actions but soon they realised that either she can be angry and stay at home for not doing the protests or go to protests and be happy. Her protests gain momentum on social media platforms like Instagram and Twitter as she regularly uploaded her photos. She was invited to give speeches on different forums where she explained that the EU must reduce their CO

2 emissions by 80% by 2030, double the 40% goal set in Paris. Her book "No one is too small to make a difference"

comprises of all the speeches that she has given at different forums. A Lot of people has been inspired by her straight forward attitude that bashes down the politicians and leaders. After the general election of Sweden she continued her protests on Fridays and inspired other students with her. For her famous UN Climate Action Summit speech in August 2019, Thunberg sailed across the Atlantic Ocean from Plymouth, UK, to New York, US, in a 60 ft racing yacht equipped with solar panels and underwater turbines. The trip was announced as a carbon-neutral transatlantic crossing serving as a demonstration of Thunberg's declared beliefs of the importance of reducing emissions. This speech has made her the young face of environmentalists all over the globe and inspired several other young students too. She has helped to awaken the world and look into the matter of climate change seriously as this is the future that lies ahead.

A DREAMER

Raunak Jain, BBA 3rd Year

A dreamer I am, castles I stitch;
Every little thing I do, I believe it will make me rich.
Lying on my bed, nothing I do;
but in my hypothetical world I make millions too!
'Believe in your dreams', I take this crap.
Wait I am still not over, can I take a quick nap.
Watching people working so hard to live,
I wonder if I have that much to give!
Sudden worry makes me google easier jobs;
Oh my luck! Nothing pops!
After giving future a considerable time,
I guess it was time for a fresh lime.

'Follow your passion', they said.
But Dude if I tell you I am seriously dead.
'You only live once', moto I believe in.
So tell me should I go with speculating,
drinking or travelling?
An era of unconventional getting an edge has come;
Will I even make it, I am bummed.
Talking such stuff over some vim and beat;
When you know it will be :
'Eat, Sleep, Rave, REPEAT'



USE WATER WISELY, OTHERWISE.....

-Arpit Buccha (B.Com (H), I year)

Water is life! If there were no water, there would be no life! Let's broaden our perception about water and see how it is wonderful. Do you know all life forms of all species of flora and fauna are made up of water? Water is the major component of cells, typically forming between 70% and 95% of the mass of the cell. Not only are we made up of water, it is the only transportation medium that carries the food molecules and oxygen to the cells of every body parts to help the blood. It signifies that water is the most essential ingredient to the functioning of life processes of every organism. So you see living this wonderful life is impossible without water!

Besides being the base of all eating and drinking water is the force behind all the industry, agriculture, manufacturing and trade and commerce. No production of anything is possible without water.

All forms of energy generation is done using water. Be it hydroelectrically projects, or thermal power plant, or nuclear power plant, water is the key ingredient in all of them. There would be no power without water!

In spite of the indispensability of water in our life, our attitude to water is pathetic. We have been abusing its divinity! We have made it scarce. Mismanagement of water resources coupled with careless industrialization and agriculture have further led to colossal water pollution across the nation.

Explosion in human population has caused land encroachment in the forest and pasture areas which resulted in desertification and deforestation. Since we the humans have over indulged ourselves with all the resources of this planet without any heed to other earthlings, we have become the worst predators ever!



So, it is our responsibility to conserve this life nectar. It is possible only through by changing our outlook towards this wonderful natural resource. We must ensure there is no pollution of water bodies by dumping any waste such as, sewage, effluents, and other toxic substances. The people and the government must ensure installation of effluents and smoke treatment plants at industrial, garbage, and sewage units. People who use water must use it frugally. Any wastage of this wonder resource must immediately be stopped. there should be optimal utilization of water.

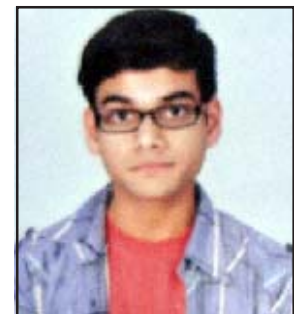
By being the proactive stewards of this rare life-supporting element can we preserve and conserve it. Students can play a great role in conserving this life-giving nectar by being the volunteers and protectors of water. They can conduct rallies across cities and villages to make people aware of practices that preserve water. The Government must take help of the younger generation to accomplish this gargantuan task... ○

3 A.M. AND THE FIREWORKS IN MY MIND

-Ashish Sharma, BJMC, 2nd year

When the day extends to 3 a.m.
Fireworks start to show up,
In the hollowness of the mind,
With plastic dreams of orange and yellow lights,
With irresistible make up of the cosmic harmonize,
That's some poetic underlines,
Also known as the creative imagination,
All pressured up, messed up like,
the unfolded shirts in my wardrobe.
Sounds like the static of the television.
hushful but loudly asks,
'Isn't it too late?'
Because mornings are inevitable,
and I cannot scream louder than alarms.

They come from the sides of
reality,
5 a.m. no asking or feel to knock,
Just stand and stare at the
threshold of my dreams,
Like an angry old man in the
metro craving for your seat.
Times I don't wanna walk
barefoot,
Under the roof of my cold water flat,
still half in sleep, jaded eyes and smelly mouth,
and the socks have holes of the ironic humor,
of using them to slide on the cleaned floor.
But the mornings are inevitable,
And so are 3 a.m. and the fireworks in my mind. ○





योग: कर्मणु कोशलम्

TRANSFORMATION THROUGH ART

‘Warli Art’ is a beautiful folk art of Maharashtra, traditionally created by tribal women. They reside in the west coast of Maharashtra. A large concentration is found in Thane, near Mumbai. This art was first explored in early seventies and from then it was named as WARLI ART.

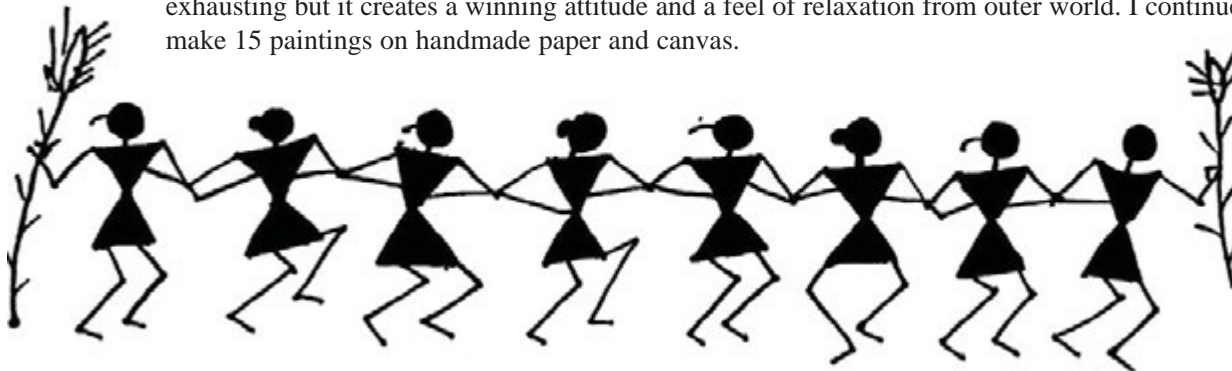


Mayank Srivastava
III Year, CSE



The tribal’s are forest-dwellers but are very friendly & happily lives in community. So the most important aspect of their paintings is the social life. Their custom & traditions, festivals, celebrations, nature & daily activities get unknowingly yet delicately depicted on the mud walls of their homes. ‘Music & Dance’ is the Heart of the subject. Paintings are composed using simple geometric shapes especially circle, triangle & lines yet stylish in looks.

During my summer break after 1st Year I learnt this beautiful traditional art. It took me 2 months to make 3 paintings as a beginner. It takes 10-11 hrs to make one medium size painting. Though it is exhausting but it creates a winning attitude and a feel of relaxation from outer world. I continued to make 15 paintings on handmade paper and canvas.



सौ क्यों मंदा आंखियें जिस जम्मे राजान

-डॉ. विनोद बब्बर

गुरु नानक देवजी को जगद्गुरु कहा जाये तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। उन्होंने केवल एक प्रांत में नहीं बल्कि पूरे भारत और विदेशों में भी जाकर अंधविश्वास और आडंबरों के विरुद्ध जनजागरण किया। गुरुनानक देव जी का जन्म 1469 को तलवंडी नामक स्थान पर हुआ। अब यह स्थान ननकाना साहिब कहलाता है जो पाकिस्तान के लाहौर से 30 मील पश्चिम में स्थित है। कार्तिक पूर्णिमा को मनाये जाने वाले गुरु नानकदेव जी के प्रकाश उत्सव के अवसर पर प्रति वर्ष दुनियाभर से श्रद्धालु ननकाना साहिब जाकर उस पवित्र स्थान पर शीश नवाते हैं।



गवर्नर दौलत खाँ के यहाँ मादी रख लिये गये। नानक जी अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करते थे और जो भी आय होती थी उसका ज्यादातर हिस्सा साधुओं और गरीबों को दे देते थे।

गुरु नानक नित्य बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्धान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- 'मैं सदैव तुम्हारे साथ हूँ, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान

गुरु नानक जी बचपन से ही गंभीर प्रवृत्ति के थे। बाल्यकाल में खेल कूद में रूचि लेने की बजाय वे नेत्र बंद किये चिंतन मनन में लीन रहते थे। यह देख उनके चिंतित पिता कालू एवं माता तृप्ता ने पंडित हरदयाल के पास शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा लेकिन स्वयं सीखाने वाले ही अक्सर बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते थे। उस बालक के अभूतपूर्व ज्ञान को देखकर पंडितजी समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर संसार में भेजा है। इसी प्रकार जब नानक जी को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भेजा गया लेकिन वह भी उनके प्रश्नों के समक्ष स्वयं को निरुत्तर महसूस करते थे। आखिर परिवार ने 1485 में गुरु नानक जी का बटाला निवासी कन्या सुलक्खनी से विवाह कर दिया। उनके दो पुत्र श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द थे। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु यह सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। उनके पिता ने उन्हें घोड़ों का व्यापार करने के लिए जो राशि दी, नानक जी ने उसे साधु सेवा में लगा दिया। कुछ समय बाद नानक जी अपने बहनोई के पास सुल्तानपुर चले गये। वहाँ वे सुल्तानपुर के

दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ।' इस घटना के पश्चात् वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की भी यात्राएँ की और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में बस गये और 1521 ई. से 1539 ई. तक वहीं रहे। ज्ञातव्य हो इसी करतारपुर के लिए बन रहे कोरिडोर की आजकल मीडिया में बहुत चर्चा है।

बाबाजी मानवता के पक्षधर थे। उन्होंने ऊँच-नीच की अवधारणा के विरुद्ध सभी को समानता प्रदान करने के लिए लंगर की प्रथा शुरू की थी। लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी दुनिया भर के सभी गुरुद्वारों में जारी लंगर की व्यवस्था बाबाजी के संदेश का प्रचार-प्रसार कर रही है जिसमें मानवता, समानता, सेवा और भक्ति का भाव प्रधान है।

कार्तिक पूर्णिमा को नानक देवजी का जन्मदिन गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। इससे पूर्व प्रभात फेरियाँ निकाली जाती

विशेष

हैं। गुरुपर्व की पूर्व सन्ध्या पर नगरकीर्तन आयोजित किये जाते हैं। नगर के विभिन्न मार्गों पर स्थान-स्थानर इसके स्वागत-सत्कार की परम्परा के दर्शन सर्वत्र किये जा सकते हैं। यूरोप के देशों में भी इस नगर कीर्तन में विशेष पग (पगड़ी) बाँधे देखा जा सकता है। नार्वे की राजधानी ओस्लो में नगर कीर्तन को पगदिवस के रूप में भी मनाया जाता है। गुरुद्वारा साहिब की ओर से सभी को निःशुल्क पग से सजाया जाता है।

जगतगुरु नानकदेव जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। नाम-स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत-प्रोत है। उन्होंने हमें सिखाया कि ईमानदारी और मेहनत की कमाई से ही बच्चे पालने चाहिए। इसी

कमाई का एक अंश जरूरतमंदों की मदद में भी लगाये। उन्होंने लोभ-लालच को गलत बताते हुए कहा कि बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएँ। सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए।

गुरु नानकदेव जी ने सर्वप्रथम स्त्री और पुरुष को समान घोषित करते हुए कहा था-‘सौ क्यों मंदा आंखियें जिस जम्मे राजान’ अर्थात् उस नारी को कमतर क्यों कहा जाये जो बड़े से बड़े राजा, महाराज, गुरु पीर पैगम्बरों की जननी है। उनके संदेश आज भी प्रासंगिक है।

संपर्क-9868211911

1vinodbabbar@gmail.com

ए-2/9ए, राष्ट्र-किंकर हस्तसाल रोड,

उत्तम नगर नई दिल्ली-110059

साभार: हिन्दू चेतना

मर्द-ए-कामिल

(गुरुनानक देव जी के सम्मान में मो. इकबाल द्वारा रचित कविता)

कौम ने पैगाम-ए-गौतम की जरा परवा न की
कद्र पहचानी न अपने गौहर-ए-यक-दाना की

आहबद-किस्मत रहे आवाज-ए-हकसे बे-खबर
गाफिल अपने फलकी शीरीनी से होता है शजर

आश्कार उसने किया जो जिंदगी का राज था
हिन्द को लेकिन खयाली फल्सफा पर नाज था

शम-ए-हक से जो मुनव्वर होये वो महफिलन थी
बारिश-ए-रहमत हुई लेकिन जमीं का बिलन थी

आह शूदर के लिए हिन्दोस्ताँ गम-खाना है
दर्द-ए-इंसानी से इस बस्ती का दिल बेगाना है

बरह मन सरशार है अब तक मय-ए-पिंदार में



मोहम्मद इकबाल

(रचयिता तराना-ए-हिन्द-सारे जहाँ से
अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा)

शम-ए-गौतम जल रही है महफिल-ए-अग्यार में

बुत-कदा फिर बाद मुद्दत के मगर रौशन हुआ
नूर-ए-इब्राहीम से आजर का घर रोशन हुआ

फिर उठी आखिर सदा तौहीद की पंजाब से
हिन्द को इक मर्द-ए-कामिल ने जगाया ख्वाब से।।

CONDOLENCE MESSAGE

नजायतेप्रियतेवाकदाचिनायंभूत्वाभवितावानभूयः।
अजोनित्यः शाश्वतोऽयंपुराणोनहन्यतेहन्यमानेशरीरे॥



Late Shri Prem Sagar Goel
(07 May 1942-14 October 2019)

With profound grief, I, on behalf of the entire MATES family- Board Members & Trustees of Maharaja Agrasen Technical Education Society, Faculty, Staff, and Students of the Maharaja Agrasen Institute of Technology & Maharaja Agrasen Institute of Management Studies and Maharaja Agrasen University, Himachal Pradesh offer heartfelt condolences on the sad demise of our Chairman Shri Prem Sagar Goel Ji. He was an able businessman, administrator, and above all a philanthropist who always tried to give something to the society through Corporate Social Responsibility and other such endeavors. His long association with us as a chairman (since December 2015) and as a trust member for many years would embark along-lasting impact on our thoughts. He was the pillar of our community. He had been associated with several charitable trusts, societies and social groups. Maharaja Agrasen Technical Education Society will remember him for all time to come. Words Cannot express how much he meant to us.

With the sad demise of Shri Prem Sagar Goel Ji, MATES, MAIT, MAIMS and MAU, H.P. have lost a fatherly figure and a thorough gentleman. May our heartfelt prayers enable the bereaved family solace and courage to face this irreparable loss.

*For I am Brahman Within this body,
Life immortal That shall not perish
I am the Truth and the Joy for ever*
अव्यक्तोऽयमचिन्त्योयमविकार्योऽमुच्यते।
तस्मादेवविदित्वैनंनानुशोचितुमर्हसि॥

(Dr. Nand Kishore Garg)
Founder and Chief Advisor